दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:58 ए एम
सूर्यास्तः 06:45 पी एम
तिथिः अष्टमी - 01:34 ए एम, अप्रैल 14 तक
नक्षत्रः पूर्वाषाढा - 10:43 ए एम तक
योगः शिव - 12:34 पी एम तक
करणः बालव - 02:40 पी एम तक
द्वितीय करणः कौलव - 01:34 ए एम
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः शनिवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 120 • पृष्ठ 8 • दुमका, शनिवार 29 अप्रैल 2023 • मूल्य 2 रुपये | Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सम्मान, लेकिन धरना जारी रहेगा, पहलवानों की मांग, कहा -

सभी पदों से हटाए जाएं बृजभूषण शरण सिंह तभी खत्म होगा धरना

नयी दिल्ली/एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट में आज देश के शीर्ष पहलवानों की भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह द्वारा कथित यौन दुराचार के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई हुई. इसके बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं. लेकिन धरना जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि हमें दिल्ली पुलिस पर भरोसा नहीं, वह कमजोर प्राथमिकी दर्ज कर सकती है.

दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि उन्हें दिल्ली पुलिस की जांच पर भरोसा नहीं है. केस देर से दर्ज किया गया है. बृजभूषण सिंह को सभी पदों से हटाया जाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट का हम सम्मान करते हैं. स्पोर्ट्स को बचाना है तो हमें एक साथ आना होगा. बृजभूषण पद का दुरुपयोग कर सकते हैं. बृजभूषण पर तुरंत कार्रवाई करना चाहिए और तुरंत जेल भेजना चाहिए.

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पी एस नरसिम्हा की बेंच ने मामला सुना. केंद्र सरकार के पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि दिल्ली पुलिस शीर्ष महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों का संज्ञान लेकर बृजभूषण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने पर सहमत हो गई है. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, हमने एफआईआर दर्ज करने का फैसला किया है, हम इसे आज दर्ज करेंगे और कुछ नहीं बचता.

सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग शिकायतकर्ता की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया कि वह खतरे को लेकर जांच कर सुरक्षा प्रदान करें. सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अदालत अगले शुक्रवार को इस मामले में फिर सुनवाई करेगी.

दिल्ली पुलिस ने कहा कि भारत के कुश्ती संघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आज एक मामला दायर किया जाएगा. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद कही है. पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करने के उनके अनुरोध पर तत्काल सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. पहलवानों के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके आरोपों पर कोई मामला दर्ज नहीं किया गया था.

संक्षिप्त समाचार

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली के आबकारी नीति केस में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सीबीआई और ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं. शुक्रवार को आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस सिसोदिया की जमानत याचिका दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने खारिज कर दी है. जबकि, सिसोदिया के साथ आरोपी बनाए गए राजेश जोशी और गौतम मल्होत्रा की जमानत याचिकाओं पर आदेश को 6 मई तक के लिए टाल दिया है. एऊ ने सिसोदिया को 9 मार्च को गिरफ्तार किया था. उनकी जमानत पर फैसला 26 अप्रैल को सुनाया जाना था, लेकिन इसे 28 अप्रैल तक के लिए टाल दिया गया था. राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज एमके नागपाल ने सिसोदिया की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था.

हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है. ऐसे में जमानत मिलने से सिसोदिया जांच को प्रभावित कर सकते हैं

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
59,727.01–183.74 (0.31%)
निफ्टी
17,660.15–46.70 (0.26%)

18 राज्यों में 91 एफएम ट्रांसमीटर्स का उद्घाटन

डिजिटल इंडिया ने दिए नए श्रोता, नई सोचः पीएम मोदी

नयी दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भारत में रेडियो कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 91 एफएम ट्रांसमीटरों का उद्घाटन किया। इससे 18 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 84 जिलों को फायदा मिलेगा। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों और आकांक्षी जिलों में एफएम रेडियो संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 100वीं कड़ी के प्रसारण से दो दिन पूर्व रेडियो सेवाओं का यह विस्तार किया गया।

ट्विटर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह प्रयास रेडियो को गति देगा और इससे जुड़े लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा. एफएम रेडियो का यह विस्तार प्रधानमंत्री मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के ऐतिहासिक 100वें एपिसोड से केवल दो दिन पहले हुआ है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 91 एफएम ट्रांसमीटरों के उद्घाटन के मौके पर कहा कि 'सूचना का समय पर प्रसार हो, कृषि के लिए मौसम की भविष्यवाणी हो या महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को नए बाजारों से जोड़ने की बात हो, ये एफएम ट्रांसमीटर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. एफएम के इंफोटेनमेंट का बहुत महत्व है. आज ऑल इंडिया रेडियो की एफएम सेवा का ये विस्तार ऑल इंडिया एफएम बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

जिया खान सुसाइड केस में सूरज पंचोली को किया बरी

मुंबई/एजेंसी।

मुंबई की एक विशेष केंद्रीय जांच ब्यूरो अदालत आज बॉलीवुड अभिनेत्री जिया खान की मौत के मामले में अपना फैसला सुना दिया है. जिया खान को कथित तौर पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी अभिनेता सूरज पंचोली को बरी कर दिया गया है. जस्टिस एएस सैय्यद की कोर्ट इस बहुचर्चित मामले अपना फैसला सुनाया है, जिस पर सबकी निगाहें टिकी हुई थीं.

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

प्रधानमंत्री के मन की बात 100 वे एपिसोड कॉन्क्लेव मे झारखंड के शिक्षक डॉ सपन पत्रलेख हुए शामिल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। प्रधानमंत्री के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात 'कॉन्क्लेव का आयोजन नई दिल्ली में किया जा रहा है ।झारखंड के शिक्षक डॉ सपन कुमार पत्रलेख को दिल्ली में चलने वाले सप्ताह भर तक के कार्यक्रम के लिए विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया है। डॉ सपन देश के उन शख्सियतों में शामिल है , जिनकी चर्चा माननीय प्रधानमंत्री ने मन की बात रेडियो कार्यक्रम में किया है । इस मौके पर डॉ सपन पत्रलेख ने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा जो सम्मान मिला है यह झारखंड के सभी लोगो के साथ राज्य के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियो का सम्मान है । उन्होंने कहा कि वह एक ऐसे दुर्गम सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक हैं जहां पहुंचना काफी कठिन रहता है। यह ट्राइब क्षेत्र है और ट्राइब में भी वे एक ऐसे ट्राइब है जहां 99 प्रतिशत

लोगों ने मेट्रिक ,या उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं की है।अधिकांश लोगो ने कॉपी कलम को नहीं छुआ है। इस क्षेत्र के बच्चों के लिए दुमका सबसे बड़ा शहर हुआ करता था। वे दिल्ली,जापान, अमेरिका को नहीं जानते थे ।वैसी परिस्थिति में प्रधानमंत्री के एक भारत श्रेष्ठ भारत एवं बापू जी के सपनों का ग्राम स्वराज का सपना को इस गांव में पूर्ण करने का प्रयास डॉ सपन द्वारा समुदाय के सहयोग से किया जा रहा है ।चाहे कोविड के समय की बात हो या कोविड-19 के बाद की बात हो कठिन परिस्थिति आया तो ब्लैकबोर्ड बाजार से नहीं खरीद कर आपसी सहयोग से एकमत से सभी ने मिलकर प्रकृति में उपलब्ध संसाधन से मिलकर गांव मे आपसी सहयोग से एकमत होकर गांव के सभी दीवारों पर ब्लैकबोर्ड बना दिया। जरूरत की डस्टर ,झाड़ू, चटाई का निर्माण गांव में ही किया गया तो वही ग्राम स्वराज के स्वालंबन के सपने को गांव में पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। आज हमारे विद्यालय के बच्चे अमेरिका, जापान को भी जानते हैं। बच्चों में देश के साथ कदम से कदम मिलाकर भारत को श्रेष्ठ बनाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं ।एक अत्यंत पिछड़े क्षेत्र के शिक्षक हैं जहां शिक्षा की रोशनी जलाने का प्रयास किया जा रहा है । विदित हो कि कोरोना काल में लॉकडाउन के समय डॉ सपन ने समुदाय के सहयोग से गांव के सभी दीवारों पर ब्लैक बोर्ड बनाकर किताब के पाठों को लिखकर, चित्र बनाकर बच्चों की पढ़ाई जारी रखी थी ,जिसकी चर्चा देश के प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में किया था ।नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति ने मन की बात कॉनक्लेव का उद्घाटन किया ।इस मौके पर सूचना प्रसारण इस मौके पर सूचना प्रसारण मंत्री, रेल मंत्री, किरण बेदी,आमिर खान, रवीना टंडन, एवं मन की बात में प्रधानमंत्री द्वारा देश के विभिन्न प्रदेशों के सपन के साथ 100 विशेष अतिथि शामिल हुए ।इस मौके पर टेबल कैफे बुक, डाक टिकट एवं सिक्का जारी किया गया । 30 अप्रैल को मन की बात के 100 वे एपिसोड के मौके पर राजभवन में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं सम्मानित किया जाएगा।

बिजली बिल वसूली हेतु कैंप का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड अंतर्गत चिकनिया गांव में शुक्रवार को बिजली विभाग की ओर से बकाया बिजली बिल वसूली कैंप का आयोजन किया गया ।जिसमें लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मौके पर सरकार की ओर से चलाए जा रहे एकमुश्त समाधान योजना का उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया। कैंप में कुल 6 लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया ।मामले में बिजली विभाग के कनीय अभियंता सत्यनारायण गुप्ता ने बताया कि जामा क्षेत्र में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के पास बिजली बिल बकाया है जिस कारण प्रत्येक माह के अंतिम दिनों में सभी ग्रामीण क्षेत्रों में कैंप लगाया जाता है। जिन उपभोक्ताओं ने मीटर नहीं लगाया है और बिजली बिल 5000 से अधिक है और वे बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं तो क़स्तों पर बिल जमा करें,अन्यथा उसका कनेक्शन काट दिया जाएगा ।बताया कि कैंप में कुल रू 240000 राजस्व की वसूली की गई ।मौके पर वीरेंद्र पांडे, सुनील कुमार लाइनमैन अजीत मंडल गुड्डू मिस्त्री सुमन शेखर पांडे ऊर्जा मित्र विनोद बास्की और लालू यादव आदि मौजूद थे ।

संक्षिप्त समाचार

बंगाल पुलिस ने गांव पहुंचकर गुमशुदा आदिवासी महिला और बच्ची को किया परिजनों के सुपूर्द

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। दुमका प्रखंड के गोलपुर गांव की गुमशुदा आदिवासी महिला रौशनी हेम्ब्रोम अपने बच्ची के साथ गुम हो गयी थी,जो 20 अप्रैल 2023 को प.बंगाल के थाना जोयपुर,जिला बाकुड़ा में मिली। शुक्रवार को बंगाल के जोयपुर थाना के एसआई कृष्णो प्रसाद मार्डी दो महिला पुलिस कर्मी,एक कांस्टबल और बंगाल के भारत जकात मांझी परगना महल सामाजिक संगठन के जिला परगना श्याम मार्डी और धोनोजय मार्डी के साथ दिघी ओपी पहुंचे और गुमशुदा को उसके गांव गोलपुर जाकर ग्रामीणों के बीच परिजनों को सौपा.साथ में दिघी ओपी पुलिस भी उपस्थित थी.बताते चलें कि बंगाल के भारत जकात मांझी परगना महल संगठन के सिद्धार्थ मार्डी को जब इस गुमशुदा का पता चला तो उन्होंने दुमका के सामाजिक कार्यकर्ता सच्चिदानंद सोरेन को इसकी सुचना दी.सामजिक कार्यकर्ता ने सोशल मीडिया की सहयता लेकर गांव का पता करने के लिय पोस्ट किया.कुछ ही घंटो में जॉन पाल मुर्मू ने गांव का पता बताया.दुसरे दिन सामाजिक कार्यकर्ता ने गोलपुर गांव पहुच कर ग्राम प्रधान से मुलाकात की और महिला के पति को खोज निकला.सामाजिक कार्यकर्ता ने सहायता के रूप में गुमशुदा आदिवासी महिला रौशनी हेम्ब्रोम के पति जोहोन हांसदा को कुछ आर्थिक मदद भी दी.उसने बताया कि पत्नी की मानसिक स्थिति थोड़ी ठीक नही है
वह दुसरे दिन बंगाल अपने पत्नी को लेने चला गया था.

कोल ब्लॉक के लिए आवंटित क्षेत्र में ग्रामसभा की सहमति हेतु अलग-अलग चार तिथियों में की जाएगी ग्राम सभा

ग्रामसभा होगी तभी गांव की समस्याएं सामने आएगी और प्रशासन उसका निदान कर पाएगा - एसडीओ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत कोल ब्लॉक के लिए आवंटित क्षेत्र में ग्रामसभा कर सहमति पत्र लेने के लिए अलग-अलग चार तिथियों में ग्राम सभा आयोजित की जाएगी इसके लिए दो टीम बनाई गई हैं,जिसमें जिला स्तर के आदिवासी पदाधिकारियों को मुख्य रूप से शामिल किया गया है। मामले में आज शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार के नेतृत्व में प्रखंड सभागार में सभी पंचायत सेवकों,मुखिया,पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्यों एवं राजनीतिक दल के नेताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों से

अनुमंडल पदाधिकारी ने अनुरोध किया कि वे क्षेत्र में जाकर ग्रामीणों को ग्रामसभा कराने के लिए राजी करें ।कहा कि ग्रामसभा होगी तभी गांव की समस्याएं सामने आएगी और प्रशासन उसका निदान कर पाएगो इसलिए आप लोग हर हाल में ग्रामीणों को समझाकर ग्रामसभा करने के लिए राजी करें ।मौके पर अंचल अधिकारी राजू कमल ने कहा कि जब तक कोलियरी चालू नहीं होगी तब तक क्षेत्र का विकास संभव नहीं है। यहां की जनता ऐसे ही ठगी जाएगी ।धनबाद एवं बोकारो में जब से कोयला खदान चालू हुई है उस क्षेत्र का काफी विकास हुआ है ।पूर्व में जिला के गोपीकंदर में भी ग्रामीण विरोध कर रहे थे लेकिन अंततः उनके समझ में आया और उन्होंने ग्रामसभा कर सहमति दी ।इसके बाद से वहां कोलियरी का कार्य प्रारंभ हो चुका है। बैठक में प्रखंड प्रमुख हुदू मरांडी ने कहा कि मैंने काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण तैयार नहीं है। बताते चलें कि बैठक में सीमानीजोर पंचायत के मुखिया, ग्राम प्रधानों एवं वार्ड सदस्यों ने भाग नहीं लिया। ग्राम सभा कराने के लिए दोबारा चार तिथि निर्धारित की गई है जिसमें 29 अप्रैल 2023 को हुलास डगाल एवं मकड़ा पहाड़ी, 2 मई 2023 को मझलाडीह एवं ढोल कांटा, 3 मई 2023 को पात पहाड़ी एवं सीमानीजोर एवं 4 मई 2023 को दलदली एवं मोहलबन्ना गांव में ग्राम सभा का आयोजन के लिए तिथि निर्धारित की गई है। जिसमें 2 टीम अलग अलग ग्रामसभा कराने जाएगी ।जिला स्तर से 11 आदिवासी पदाधिकारियों को इस टीम में शामिल किया गया है, शेष अंचल एवं प्रखंड के कर्मी उनके सहयोग में रहेंगे।

कैबिनेट की हुई घोषणा से अनुबंध सहायक प्राध्यापकों में खुशी का माहौल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। विगत गुरुवार को रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में जो निर्णय लिए गए उसमें राज्य के विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत महाविद्यालयों में अनुबंध पर कार्य कर रहे प्रोफेसरों के वेतनमान निर्धारण से सभी सहायक प्राध्यापकों ने खुशी ज़ाहिर की। संताल परगना महाविद्यालय में एक बैठक आयोजित कर इन सभी सहायक प्राध्यापकों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद ज्ञापित किया। अभी तक इन सहायक प्राध्यापकों को कक्षा के आधार पर वेतन दिया जाता था। इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संताल परगना महाविद्यालय की अध्यक्ष प्रो प्रतिभा किस्कू ने बताया कि वेतनमान का यह निर्धारण निश्चय ही हमारे लिए सकारात्मक कार्य है, इससे जहाँ हमारे व्यक्तिगत जीवन पर प्रभाव पड़ेगा वहीं झारखंड की उच्च शिक्षा को और अधिक मजबूत करने में ऊर्जा प्राप्त होगी। इसके उपरांत डॉ कुमार सौरभ ने कहा कि हमारी लंबे समय से यह मांग चली आ रही थी और माननीय मुख्यमंत्री लगातार हमें आश्वस्त भी करते थे। निश्चय ही उन्होंने यह कर दिखाया जिससे हमें बहुत मजबूती मिलेगी। डॉ विश्वनाथ यादव ने कहा कि यह वेतन निर्धारण हमारे कैरियर और जीवन दोनों को नए आयाम देगा। कार्यक्रम को अन्य जिन लोगों ने सम्बोधित किया उनमें लीना मुर्मू, प्रो बसंती हांसदा, प्रो श्वेता बास्की, डॉ निशा कुमारी, डॉ पूजा गुप्ता, प्रो कृष्णा कुमारी, प्रो वर्षा कुमारी, प्रो निर्मल मुर्मू, डॉ यदुवंश, डॉ अविनाश हांसदा, डॉ नृपेंद्र पाठक, डॉ अब्दुर रहीम, प्रो सनातन मुर्मू, डॉ किलिस मरांडी, डॉ अनिता राज हेम्ब्रम शामिल रहे और सभी ने विश्वविद्यालय के अधिकारी गण, राज्य उच्च शिक्षा विभाग सहित मुख्यमंत्री को समान रूप से आभार अभिनंदन प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 100 वें संस्करण की सफलता के लिए किया गया कार्य का विभाजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड भाजपा कोर कमेटी के सदस्य सह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद एवं दुमका जिला मन की बात के प्रभारी डॉ रविंद्र राय द्वारा दुमका जिला के वर्चुअल बैठक में दिए गए दिशा निर्देश के अनुसार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम के 100 वें संस्करण की सफलता के लिए कार्य का विभाजन किया गया हैमीडिया प्रभारी पिंटू अग्रवाल ने बताया कि विनोद शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष को दुमका नगर,डॉ लुईस मरांडी पूर्व मंत्री सह/प्रदेश कार्यसमिति सदस्य को दुमका सदर अंजुला मुर्मू प्रदेश कार्यसमिति सदस्य को दुमका ग्रामीण,दिनेश दत्ता पूर्व जिलाअध्यक्ष को मसलिया पूर्वी,विवेकानंद राय जिला महामंत्री को मसलिया पश्चिमी (बसमत्ता),राम नारायण भगत जिला उपाध्यक्ष को शिकारीपाड़ा पूर्वी,दीपक स्वर्णकार जिला महामंत्री को शिकारीपाड़ा पश्चिमी,बबलू मंडल जिला उपाध्यक्ष को काठीकुंड,धर्मेंद्र सिंह बिट्टू जिला उपाध्यक्ष को रानीश्वर,रामेश्वर गुप्ता जिला मंत्री को आसनबनी,अमरिंदर सिंह मुन्ना प्रदेश कार्यसमिति सदस्य को जामा,सुरेश मुर्मू प्रदेश कार्यसमिति सदस्य को चुटोबेदिया,मनोज पांडे जिला उपाध्यक्ष को ठाड़ीहाट,विमल मरांडी मोर्चा अध्यक्ष(अजज) को रामगढ़,निवास मंडल प्रदेश कार्यसमिति सदस्य को जरमुंडी,गौरव कांत जिला उपाध्यक्ष को सहारा, पूनम देवी जिला मंत्री को बासुकीनाथ नगर, अमिता रक्षित प्रदेश कार्यसमिति सदस्य को हंसडीहा, रुपेश मंडल युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष को सरैयाहाट, माइनों मुर्मू जिला मंत्री को गोपीकांदर का प्रभारी बनाया गया है.

अनाज वितरण में अनियमितता बरतने पर मां काली स्वंय सहायता समूह पीडीएस दुकान का लाइसेंस निलंबित करने की अनुशंसा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। प्रखंड विकास पदाधिकारी दुमका द्वारा शुक्रवार को सदर प्रखण्ड अन्तर्गत बड़तल्ली पंचायत के बंगाली टोला स्थित माँ काली स्वंय सहायता समूह जन वितरण प्रणाली दुकान का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वंय सहायता समूह की सचिव उन्नती पाल के पति दुकान में लाभुकों को अनाज बांटते पाएं गये,जो नियमतः गलत है ।मौके पर एक लाभुक बुदी हॉसदा द्वारा बताया गया कि 15 दिन

पहले मशीन में अनाज लेने के लिए अंगूठा लगाएं थे,परन्तु अभी तक अनाज नहीं मिला है। जांच करने पर पता चला कि दिनांक 09.04.2023 को लाभुक बुदी हॉसदा का अंगूठा लगाया गया है और स्लीप निकाला गया है,परन्तु अभी तक अनाज नहीं दिया गया। इस संबंध में स्वंय सहायता समूह के सचिव उन्नती पाल और दुकान में उपस्थित उनके पति से पुछताछ करने पर उनके द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इसके लिए माँ काली स्वंय सहायता समूह जन वितरण प्रणाली दुकान के अनुज्ञप्ति संख्या 59 / 2011 को निलंबित करने की अनुशंसा जिला आपूर्ति पदाधिकारी, दुमका से की गई। इसके अतिरिक्त बड़तल्ली पंचायत में मनरेगा के तहत तालाब,सिंचाई कूप और आम बागवानी योजना के निरीक्षण के साथ-साथ चापाकल मरम्मति के कार्यो का भी निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा,प्रभारी प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी,दुमका, कनीय अभियंता,दुमका,ग्राम पंचायत की मुखिया, सुहागीनी हेम्ब्रम, पंचायत सचिव,रोजगार सेवक, पंचायत स्वंयसेवक एवं अन्य ग्रामीण भी उपस्थित थे।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

रात्रि चौपाल में लोगों की समस्याओं का समाधान ऑन द स्पॉट

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर (पाकुड़) । भीषण गर्मी को देखते हुए प्रखंड के आम जनता के कार्य प्रभावित ना हो, तथा प्रखंड कार्यालय आने जाने में हो रहे समस्याओं को देखते हुए गुरुवार को रात्रि चौपाल का आयोजन प्रखंड के बाबूपुर पंचायत के अंतर्गत मनीडांगा विद्यालय भवन के पास आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन अपर समाहर्ता पाकुड़ मंजू रानी स्वांसी, कार्यपालक दंडाधिकारी पाकुड़ रश्मि कांति, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश कुमार स्वांसी, अंचलाधिकारी मनोज कुमार द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. रात्रि चौपाल अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी ने कहा कि ग्रामीण सजग रहकर राज्य और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं तथा खुद लाभान्वित होकर ओरों को भी प्रेरित करें. चौपाल में पेयजल की समस्या, बीपीएल में नाम जुड़वाने, पेंशन, राशन वितरण,स्कूल में पठन पाठन, स्वास्थ से संबंधित मनरेगा, म्यूटेशन आदि योजना से संबंधित समस्याएं रखी. जिस पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने विभिन्न विभागों के प्रखंडस्तरीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी समस्याओं का समाधान कर उन्हें रिर्पोट पेश करें. चौपाल में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई कर समाधान करने के निर्देश दिए. वहीं ग्रामीणों द्वारा व्यक्तिगत समस्याओं को बारी बारी से रखा गया जिसका तत्काल समाधान किया गया. मौके पर स्वास्थ्य कर्मी एवं प्रखंड कर्मी और पदाधिकारी उपस्थित थे। वही लिट्टीपाड़ा प्रखंड के नावाडीह पंचायत परिसर में आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ संजय कुमार,कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल पाकुड़ नरेश दास, जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. रात्रि चौपाल में बीडीओ ने कहा कि ग्रामीण सजग रहकर राज्य और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं तथा खुद लाभान्वित होकर ओरों को भी प्रेरित करें. चौपाल में पेयजल की समस्या, बीपीएल में नाम जुड़वाने, पेंशन, राशन वितरण, स्कूल में पठन पाठन, स्वास्थ से संबंधित मनरेगा, म्यूटेशन आदि योजना से संबंधित समस्याएं रखी. जिस पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने विभिन्न विभागों के प्रखंडस्तरीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी समस्याओं का समाधान कर उन्हें रिर्पोट पेश करें. चौपाल में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई कर समाधान करने के निर्देश दिए. वहीं ग्रामीणों द्वारा व्यक्तिगत समस्याओं को बारी बारी से रखा गया जिसका तत्काल समाधान किया गया. मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संतोष कुमार टुडू, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रकाश मंडल, विद्यानंद मुर्मू, प्रखंड समन्वयक हसनैन अंसारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी केसी दास, बीपीओ मानिक चन्द्र दास सहित अन्य उपस्थित थे. वही पाकुड़िया प्रखंड के बड़ा सिंहपुर गांव में जिला प्रशासन के निर्देश पर रात्रि चौपाल का आयोजन गुरुवार देर रात को किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार, डीआरडीए प्रमोद कुमार दास, जिला शिक्षा अधीक्षक मुकुल राज, जिला पंचायत राज पदाधिकारी महेश कुमार राम बीडीओ मनोज कुमार, सीओ किरण डांग प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ भरत भूषण भगत, अनीता मुर्मू सहित अन्य के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। रात्रि चौपाल में पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, आपूर्ति सहित अन्य योजनाओं के बारे में लोगों को बताया गया। जानकारी के मुताबिक चौपाल में आये शिकायत एवं डिमांड को लेकर पदाधिकारियों के द्वारा सुनवाई भी प्रारंभ कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जूनियर फ्रेंड्स क्लब जोंका पाकुड़िया के तत्वाधान में जोंका सितुम टोला मैदान में शनिवार से दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। उपरोक्त जानकारी देते हुए क्लब के अध्यक्ष विजय सोरेन, सचिव अनिल मुर्मू, उपाध्यक्ष नोएल हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष मनोज मुर्मू आदि ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रखंड भर के कुल 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं। जिसके विजयी प्रतिभागी को प्रथम पुरस्कार के रूप में 15 हजार रुपये, वहीं द्वितीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रुपये तथा सेमी×फाइनल में पहुंचनेवाली दो टीमों को अढ़ाई हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। मौके पर रौशन किस्कू, दिनेश टुडू, शुभम किस्कू सहित जूनियर फ्रेंड्स क्लब के अन्य सक्रिय सदस्य मौजूद थे।

पाकुड़िया आजाद चौक में तेज आंधी तूफान के कारण झोपड़ी गिरा

पाकुड़िया(पाकुड़)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । पाकुड़िया आजाद चौक में गुरुवार देर शाम आयी आंधी तूफान में दो झोपड़ी गिर गया। जिससे हजारों का नुकसान हो गया। जानकारी के अनुसार मोगलाबान्ध निवासी बिनय ठाकुर का सैलून एवं महेशपुर बड़कियारी निवासी राकेश भंडारी का मोबाइल दुकान तेज आंधी पानी के कारण गिर गया। सैलून एवं मोबाइल रिपेयरिंग दुकान के ऊपर छत एस्बेस्टर टूट फुट कर नीचे गिर कर बिखर गया जिससे दुकान में लगे शीशा सहित अन्य सामान टूट गया एवं पानी में भीग गया जिस कारण सभी समान बर्बाद हो गया। पीड़ितों ने बताया कि लोन लेकर दुकान चला रहे थे लेकिन अब चिंता सताने लगी है कि दुकान कैसे चलेगा। दुकानदारों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

वन विभाग के टीम ने तीन मोटरसाइकिल में लोड लकड़ी के चौखट एवं पटरी को जप्त किया

लिट्टीपाड़ा(पाकुड) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। थाना क्षेत्र के चीतलों फार्म लबदाघाटी आरईओ सड़क मोहनपुर गांव के समीप शुक्रवार को वन विभाग के टीम ने तीन मोटरसाइकिल में सवार लकड़ी के चौखट एवं पटरी को जप्त किया है. वन रक्षी अनुपम कुमार यादव ने बताया वन क्षेत्र का नियमित गस्ती के दौरान मोहनपुर गांव के समीप लकड़ी को पटरी एवं चौखट का आकार देकर मोटरसाइकिल में लोड कर ले जा रहे तीन मोटरसाइकिल को जप्त किया गया है. उन्होंने बताया मोटरसाइकिल सवार तीन लोग वन विभाग के टीम को देख सड़क किनारे मोटरसाइकिल को छोड़ फरार होने में सफल रहा. जप्त तीनो मोटरसाइकिल सहित लकड़ी को वन कार्यालय लिट्टीपाड़ा लाया गया है. जांच कर आगे की करवाई किया जाएगा.

ग्यारह हजार तार के चपेट में आने से एक मवेशी कि मौत

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । प्रखंड क्षेत्र के करमाटांड़ पंचायत के बरमसिया गांव के समीप शुक्रवार को ग्यारह हजार तार के चपेट में आने से एक मवेसी कि मौत हो गया. जानकारी के अनुसार बरमसिया गांव के लालू सोरेन का एक मवेसी को सुबह घर से घास चरने के लिए छोड़ गया था. करीब ग्यारह बजे के समय बरमसिया गांव के जंगली इलाको में ग्यारह हजार का तार टूट कर गिरने से घास चर रहे मवेसी चार के चपेट में आने से घटना स्थल पर ही मवेसी कि मौत हो गया. मवेसी पालक लालू सोरेन ने बिजली विभाग से मुआवजा की मांग किया है. बिजली विभाग के कनीय अभियंता बिंजू बिष्णु पूर्ति ने बताया घटना की जानकारी नही है. अगर बिजली के तार के चपेट में आने से मवेसी की मौत हुआ है तो जांच कर मुआवजा दिया जाएगा.

मुख्यमंत्री से मिले पूर्व झामुमो जिला प्रवक्ता शाहिद इकबाल, डॉक्टर की कमी व पेयजल की समस्या से कराया अवगत

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

- उर्दू स्कूलों को पुनः संचालन करने की रखी मांग
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पहल करने का दिया भरोसा-शाहिद इकबाल

पाकुड़ । झामुमो के पूर्व केंदीय समिति सदस्य सह पूर्व जिला प्रवक्ता शाहिद इकबाल ने झारखंड के यशस्वी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर पाकुड़ के ज्वलंत समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए आवेदन दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात के बाद पाकुड लौटे झामुमो के पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य शाहिद इकबाल ने कहा कि लगभग 13 वर्ष पहले फरक्का गंगा फीडर कैनल से पाईप बिछाकर पूरे पाकुड़ शहर को जलापूर्ति के लिए टेंडर हुआ था। जो आज तक पूरा नहीं हुआ। पीएचडी विभाग के सुस्त रवैया के कारण पाकुड़ में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। इसे अविलंब कियांन्वित करने की मांग की है। पाकुड़ जिला मुख्यालय में हरिणडांगा बाजार गांधी चौक के निकट स्थित हरिणडांगा उर्दू मध्य विद्यालय के साथ-साथ पाकुड़ जिले के सभी प्रखंड के उर्दू विद्यालयों को अन्य विद्यालयों में हुए विलय को रद्द कर पुनः उसमें पठन-पाठन का कार्य चलाने की मांग भी की है। वहीं सभी मध्य विद्यालयों में उर्दू शिक्षकों की बहाली पर भी ध्यान आकृष्ट कराया गया है।

झामुमो के पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य शाहिद इकबाल यह भी कहा गया है कि पाकुड़ जिले में कुल 99 डॉक्टर का पद है। जिसमें मात्र 26 डॉक्टर कार्यरत है। नर्सों की भी कमी है। महिला और बच्चों के लिए कोई डॉक्टर नहीं है। पाकुड़ जिला मुख्यालय का सदर अस्पताल की भी यही स्थिति है। डॉक्टर, नर्स की कमी है। इसके अलावा अल्ट्रासाउंड, पैथोलॉजी के जांच विशेषज्ञ भी नहीं है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बीमार व्यक्तियों, बच्चों और महिलाओं की क्या स्थिति होती होगी। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर पहल करने का आश्वासन दिया है। जिले की कई और भी अहम समस्याओं से भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अवगत कराया गया।

विधायक दिनेश मरांडी ने किया फुटबॉल फाइनल खेल का शुभारम्भ

- हाथीबथान ने कुटलो टीम को एक गोल से हराया

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । विधायक दिनेश मरांडी ने शुक्रवार को लिट्टीपाड़ा अंतर्गत दरादर मैदान में आयोजित फुटबॉल फाइनल खेल का शुभारम्भ किया। जिसमे विजेता हाथीबथान व व उप विजेता टीम कुटलो को पुरस्कृत किया। विधायक के आगमन पर स्थानीय लोगो ने आदिवासी परम्परागत रूप से स्वागत किया गया। झिलिमिली क्लब द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय टूर्नामेंट में फाइनल में पहुंचे हाथीबथान टीम व कुटलो टीम के बीच जमकर मुकाबला हुआ। जिसमे हाथीबथान टीम एक गोल से विजयी बने। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि झारखण्ड के हेमन्त सोरेन की सरकार खेल व खिलाड़ियो की विकास को लेकर कई कार्यक्रम संचालित किए हुए है। आज कई खेलो में झारखण्ड के खिलाड़ियो ने राज्य व देश का नाम रौशन किया है। सरकार आमलोगों की विकास को लेकर कृत संकल्पित है। इसको लेकर कई कल्याणकारी व विकासमूलक योजनाएं धरातल पर लाई है। इस मौके पर झामुमो जिला उपाध्यक्ष समद अली , जिला सचिव सुलेमान बास्की , बीस सूत्री अध्यक्ष प्रसाद हांसदा , इसहाक अंसारी , असजद अहमद , बाबूजी हेम्ब्रम , मुखिया जोसेफ मालतो , ताला मुर्मू , सुशील हेम्ब्रम आदि उपस्थित थे।

वारंटी को पकड़ने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया पथराव

निरसा । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । मुगमा के शिवडंगाल में एक वारंटी को पकड़ने पहुंची निरसा पुलिस पर शिवडंगाल के कुछ युवकों ने हमला कर दिया। एएसआई बुटन उरांव के साथ मारपीट कर दी। उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों अंदरूनी चोटें आई हैं। बाद में फोर्स मंगवा कर पुलिस ने पांच युवकों को हिरासत में लिया। इस दौरान वारंटी फरार हो गया। निरसा थाने के एएसआई बुटन उरांव पुलिस बल के साथ फरार चल रहे वारंटी समीर बाउरी को गिरफ्तार करने शिवडंगाल पहुंचे थे। यहां पुलिस ने एक युवक राहुल बाउरी को उसके घर से पकड़ा तो घर की महिलाओं ने इसका विरोध किया। उन लोगों का कहना था कि राहुल ने कुछ नहीं किया है। वहीं राहुल को पकड़ कर लाने के क्रम में रास्ते में समीर बाउरी मिल गया। पुलिस ने उसे भी पकड़ लिया। इसी बीच पकड़े गए युवकों ने पुलिस के साथ मारपीट शुरू कर दी। ग्रामीणों की भीड़ जुटती देख पुलिस लौट गई। वारंटी वहां से फरार हो गया। बाद में काफी संख्या में पुलिस पहुंची। शिवडंगाल से पांच युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पूछताछ कर चार युवकों को छोड़ दिया, जबकि एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को शिवडंगाल की महिलाएं थाना पहुंचीं और कार्रवाई का विरोध किया।

निरसा थाना प्रभारी दिलीप कुमार यादव ने कहा कि मुगमा के शिवडंगाल में एक वारंटी को पकड़ने पुलिस गई थी। वहां के युवकों ने एएसआई बुटन उरांव से मारपीट की। उन्हें सिर व शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें आई हैं। पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है।

अमृत सरोवर योजना के तहत लोधी में तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास

जलसंकट से निपटने के लिए अमृत सरोवर योजना के तहत कराया जा रहा निर्माण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

टाटीझरिया (हजारीबाग) । प्रखंड के झरपो पंचायत के लोधी गांव में अमृत सरोवर योजना के तहत जोकाही तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास शुक्रवार को किया गया। शिलान्यास के मौके पर उपस्थित उपप्रमुख रवि वर्णवाल, बीडीओ शाइनी तिग्गा, जिप सदस्य रामप्रसाद, 20 सूत्री अध्यक्ष सह मुखिया शिबू प्रसाद सोनी, सांसद प्रतिनिधि महेश अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि उपेंद्र पांडेय, बीपीओ अफरोज अख्तर, जेई शशांक भूषण ने कहा कि इस भीषण गर्मी में जल का स्तर काफी नीचे चले जाने के कारण लोगों को पानी की भारी किल्लत हो गई है। इसलिए सरकार द्वारा अमृत सरोवर योजना चलाकर तालाब का निर्माण कराया जा रहा है। लोधी गांव के किसान काफी मेहनती हैं। ग्रामीण इस अमृत सरोवर का सदुपयोग करेंगे और यह क्षेत्र हमेशा हरा-भरा रहेगा। इन्होंने बताया कि 1.25 एकड़ के क्षेत्रफल में इसका निर्माण कार्य होगा। इसके निर्माण में मनरेगा की राशि लगाई जानी है। इसके निर्माण के लिए 2 लाख 99 हजार रुपए का प्राक्कलन तैयार किया गया है। शिलान्यास के मौके पर उपमुखिया राजेंद्र राजा, संतोष राम, अर्जुन प्रसाद,निर्मल प्रसाद, बासुदेव महतो समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मिशन स्कूल के छात्र छात्राओं को एमआर का टीका लगाया गया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़िया(पाकुड़) । मिजल्स रुबेला टीकाकरण अभियान के तहत शुक्रवार को प्रखंड के बेलपहाडी मिशन स्कूल के छात्र छात्राओं को एमआर का टीका लगाया गया। इस दौरान विद्यालय के कुल 780 छात्र छात्राओं को यह टीका लगाया गया। इस दौरान मौके पर मौजूद चिकित्सा पदाधिकारी डॉ भारत भूषण भगत ने बताया कि मिजल्स रुबेला टीकाकरण अभियान को आपसी समन्वय बनाकर सफल बनाना है। उन्होंने बताया कि रूबेला एवं खसरा एक संक्रामक रोग है तथा यह वायरस के कारण फैलता है। यह किसी को भी संक्रमित कर सकता है।

इस रोग से विकलांगता और असमय मृत्यु का भय बना रहता है। इससे प्रभावित व्यक्ति के छींकने या खांसने से भी यह रोग फैलता है। बुखार, खांसी, नाक बहना, आंखें लाल हो जाना खसरे का लक्षण है। उन्होंने कहा कि यह टीका बिल्कुल सुरक्षित है। मौके पर एएनएम रेबिका मोसी, बबिता कुमारी, अनिता मुर्मू, संचिता, बीणा सहित बिनोद कु ढाका, प्रभात दास, चंचल कुंनाई आदि अन्य उपस्थित थे।

जनसेवकों ने सरकार के निर्णय के खिलाफ किया कलमबंद हड़ताल

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । झारखंड राज्य ग्राम सेवक संघ के निर्देश पर ग्रेड़ पे कम करने के विरोध में कलम बंद हड़ताल 28 अप्रैल से कार्य बहिष्कार किया गया। अमड़ापाड़ा प्रखंड में कार्यरत जनसेवक सिराजुद्दीन अहमद, दिनेश बेसरा, सौरभ कुमार दत्ता, समुवेल हेम्ब्रम, सुनील कुमार मुर्मू, सोयलन मुर्मू, नवीन कुमार गुप्ता सहित अन्य जन सेवक ने बताया कि बताया कि जनसेवक संवर्ग का षड्यंत्र के तहत कृषि विभाग द्वारा ग्रेड पे कम करने का काम किया है। सभी जन सेवा को ने बताया कि हम लोग का जॉइनिंग के समय पर पेपर में संविदा निकला था है कि ग्रेड पे बढ़ा दिया जाएगा सरकार हम लोग को ग्रेड पे बढ़ाने की वजह और कम कर दिया गया इसलिए हम लोग कलम बंद हड़ताल किए हैं वही पाकुड़िया प्रखंड में कार्यरत जनसेवक ने झारखंड सरकार कृषि विभाग द्वारा जनसेवक संवर्ग का तथाकथित षड्यंत्र के तहत ग्रेड पे अचानक कम कर देने के विरोध में पाकुड़िया प्रखंड के सभी जनसेवक शुक्रवार से कलमबंद कार्य बहिष्कार कर हड़ताल पर चले गये।

इस बाबत जनसेवक त्रिदीप कुमार शील ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को हड़ताल से संबंधित दिये गये अपने आवेदन के मुताबिक बताया कि नियमविरुद्ध जनसेवक संवर्ग का एक षड्यंत्र के तहत कृषि विभाग द्वारा अचानक ग्रेड पे कम कर देने के विरोध में झारखंड राज्य जनसेवक संघ एवं पाकुड जिला जनसेवक संघ के निर्देशानुसार सभी जनसेवक 28 अप्रैल से कलमबंद कार्य बहिष्कार पर रहेंगे। बहरहाल कलमबंद हड़ताल का सीधा असर अनबृष्टि से जूझ रहे. प्रखंड में विकास कार्यों पर पड़ेगा. खासकर मनरेगा कार्यों पर इस हड़ताल का ज्यादा दुष्प्रभाव पड़ेगा। मौके पर जनसेवक सुब्रत कु दास, इकरामुल अंसारी, किरण मरांडी, प्रवीण पाठक, देवचंद सोरेन, अभिजीत राज, अजय रोबिन हांसदा, अजित हेम्ब्रम, सुरेश प्रसाद आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

70 बच्चों को दिया गया मिजिल्स रूबेला का टीका

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। रानीश्वर के बाँसकुली पंचायत के गुरुकुल नर्सरी स्कूल में शुक्रवार को मिजिल्स रूबेला का टीकाकरण शिविर आयोजित किया गया।शिविर में स्कूल के अस्सी नामांकित छात्रों के बिरुद्ध 70 छात्रों को एम आर का टीका दिया गया।शिविर में एएनएम शिखा गोराई ने बच्चों को टीका दिया।शिविर में सहिया चैताली गोराई,शिक्षक गौतम सिंह,प्रसेनजित साहा,प्रिया गोराई,बिजय सिंह,प्रियंका गिलुका आदि मौजूद थी।

शिकारीपाड़ा वन क्षेत्र के पंच वाहिनी में संचालित कोयला की सात अवैध खदानों को वन विभाग ने किया डोजरिंग कर ध्वस्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में प्रशासन की सख्ती के बावजूद कोयला का अवैध उत्खनन एवं परिवहन नहीं रुक रहा है।अवैध उत्खनन पर लगाम लगाने की सारी कोशिशें असफल साबित हो जाती है। शुक्रवार को शिकारीपाड़ा वन क्षेत्र के पंच वाहिनी वन क्षेत्र में संचालित कोयला की 7 अवैध खदानों को वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग के नेतृत्व में जेसीबी मशीन द्वारा मिट्टी डालकर बंद कर दिया गयोइस कार्य में जिला से केवल वन विभाग के अधिकारी शामिल हुऐमौके पर जिला पुलिस बल,एसएसबी के जवान शिकारीपाड़ा थाना के पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी उमेश राम मौजूद थे। वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र अंतर्गत चल रही कोयला की अवैध खदानों में लगातार डोजरिंग का काम किया जा रहा है।नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण वन विभाग काफी सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है लेकिन रैयती एवं सरकारी भूमि में चल रही कोयला की अवैध खदानों में जिला प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है।ज्ञात हो कि फरवरी माह में जिला खनन पदाधिकारी के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के हरिन सिंघा मौजा में संचालित कोयला की अवैध खदानों में डोजरिंग कराने गई टीम के सदस्यों तथा पत्रकारों पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया था उसके बाद से सरकारी भूमि एवं रैयती भूमि में चल रही कोयला खदानों में किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई।जिससे कोयला माफियाओं का मनोबल बढ़ गया है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त क्षेत्रों में कोयला का अवैध खनन लगातार जारी हैं।आज भी कल्याणपुर,बादल पाड़ा तथा गंधर्वपुर मौजा में धड़ल्ले से कोयला का उत्खनन चल रहा है।

धनजोडी में प्रशासन ने अवैध भंडारित 4000 सैप्टी अवैध बालू जब्त

पाकुड, झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिले के महेशपुर अंचल सीओ रितेश जयसवाल और थानेदार संतोष कुमार ने विति रात करीव साढे ग्यारह बजे संयुक्त छापेमारी अभियान चलाकर महेशपुर थाना क्षेत्र के धनजोडी के पास भंडारित अवैध बालू जब्त किया है। जब्त बालू 4000 सैफ्टी करीव 40 ट्रैक्टर बालू होने का अनुमान है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंचल सीओ श्री जयसवाल को गुप्त सुचना मिली थी कि महेशपुर के धनजोडी में बालू माफिया अवैध बालू भंडारित कर रखा है और रात के अंधेरे में बालू की सफ्लाई करते हैं। इसी सुचना पर टीम गठित कर सीओ ने पुलिस टीम के साथ छापेमारी कर बालू जब्त कर जिला खनन विभाग को सौप कर आगे की कार्रवाई करने की अनुशंसा कि है।

बीडीओ ने मुखिया, रोजगार सेवक के साथ पीएम आवास व मनरेगा योजना को लेकर की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पाकुड़। जिले के महेशपुर प्रखंड सभागार कार्यालय में शुक्रवार को महेशपुर बीडीओ उमेश मंडल के अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। बैठक में बीडीओ श्री मंडल ने दर्जनो पंचायत के मुखिया, एवं रोजगार सेवक सहित अन्य के साथ बैठक में निर्देश देते हुए कहा कि अधूरे पडे पीएम आवास को जल्द से जल्द पुरा करे। साथ ही बीडीओ श्री मंडल ने मनरेगा योजना को लेकर भी चर्चा कर डोभा निर्माण कार्य में तेजी लाने, अधुरे पड़े बिरसा हरित ग्राम योजना को पुरा करवाने का निर्देश दिये। बैठक में बीडीओ के अलावे बीपीआरओ प्रसेनजीत मंडल, बीपीओ रिजवान फारूकी, नीरज कुमार सहित अन्य कई पंचायत के मुखिया एवं रोजगार सेवक उपस्थित थे।

गंगा को प्रदूषण से बचाने के लिए जैविक खेती को बढावा दिया जाएगा : जी अशोक कुमार

- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का किया भ्रमण, कहा -
- साहिबगंज वासी भाग्यशाली हैं कि यहां से गंगा गुजरती है
- सहकार भारती एवं स्वच्छ गंगा मिशन के बीच हुआ एमओयू

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज । राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक जी अशोक कुमार शुकवार को साहिबगंज जिला पहुंचे। यहां सर्वप्रथम उन्होंने चानन स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भ्रमण किया और उसके बाद वे जागरूकता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस क्रम में उपायुक्त रामनिवास यादव ने माननीय महानिदेशक को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की कई जानकारियां दी तथा बताया कि पूरे शहर में ऐसी व्यवस्था की गई है, जिसके माध्यम से घरों से निकला हुआ पानी नाले के माध्यम से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट आता है तथा यहां पानी का ट्रीटमेंट होने के बाद ही यह गंगा नदी में प्रवाहित किया जाता है। उन्होंने बताया कि घर घर को सीवरेज से जोड़ने हेतु कनेक्शन का कारी किया गया, इससे गंगा नदी में सीरियस शुद्ध जल प्रवाहित नहीं होता है तथा प्लांट के बन जाने से नदी काफी शुद्ध हुई है।कार्यक्रम के दौरान जी अशोक कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों एवं जिले वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड का एकमात्र जिला साहिबगंज जहां से गंगा होकर गुजरती है। इसे निर्मल एवं स्वच्छ रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेवारी है। हम सभी इस विषय पर सोचें एवं अपनी ओर से पूरा स्वच्छता के लिए पूरा प्रयास करें।इसके बाद जिले के सिदो कान्हो सभागार में भी महानिदेशक की अध्यक्षता में नमामि गंगे परियोजना अंतर्गत सहकार भारती से जोड़ने हेतु गंगा सहकार ग्राम का आयोजन किया गया, जहां महानिदेशक समेत राष्ट्रीय अध्यक्ष सहकार भारती दीनदयाल ठाकुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री केशव भदौरिया एवं अन्य गणमान्य का पारंपरिक संथाल नृत्य से स्वागत किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महानिदेशक जी अशोक कुमार ने कहा कि साहिबगंज जिला एकमात्र जिला है झारखंड का जहां से गंगा नदी होकर गुजरती है एवं यह बेहद खूबसूरत है स्वच्छ गंगा मिशन सहकार भारती के साथ मिलकर गंगा के तट पर बसने वाले सभी शहरों एवं गांवों को जैविक खेती से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत सरकार की सोच है कि गंगा को पूरी तरह स्वच्छ किया जाए इसके लिए आवशयक है कि सर्वप्रथम गंगा पर बसने वाले गांव में जैविक खेती या प्राकृतिक खेती से लोग जुड़े। जैविक खेती से जोड़ने 1के लिए किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए गंगा के तटीय इलाकों में बसे गांव उत्पाद को बढ़ावा देते हुए इसकी मार्केटिंग की व्यवस्था आदि करने के लिए सहकारी समितियों का गठन किया जा रहा है। इसी उद्देशय से एनएमसीजी सहकार भारती से जुड़कर गंगा साकार कार्यक्रम आयोजन कर रहा है। इसके माध्यम से किसानों को सहकारिता से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। छोटी-छोटी सहकारिता समितियां बनाई जाएंगी। उनका पंजीकरण किया जाएगा तथा धीरे-धीरे जैविक खेती की ओर बढ़ते हुए एक दिन गंगा के तटीय इलाकों में बसने वाले हर शहर और हर गांव को पूरी तरह से जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर निर्भर बना दिया जाएगा। उन्होंने कहा इसके माध्यम से किसानों की आमदनी बढ़ेगी तथा पर्यावरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा नदियों को बचाया जा सकेगा। जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभाव से लोगों को बचाया जा सकेगा और लोग जल संरक्षण की ओर बढ़ सकेंगे। आगे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम नदियों को स्वच्छ रखें नदियों में बसने वाले जलीय जीवो के विषय में सोचें ताकि वह नदियों इको सिस्टम को बनाए रखें साथ ही हमारी यह सामूहिक जिम्मेदारी भी है कि हम अपनी आगे आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ जल एवं स्वच्छ पर्यावरण दें। इसके लिए भी हमें अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण निर्वहन करते हुए अपना योगदान देना होगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर ने कहा कि स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा सहकार भारती पर विश्वास ही इस कार्यक्रम की सफलता का आधार है ना सहकारिता आधारित खेती एवं क्रियाकलाप गंगा के तटीय इलाकों को जोड़ने के लिए स्वच्छ गंगा मिशन एवं सहकार भारती ने एमओयू किया है, जिसकी आज औपचारिक शुरुआत हो रही है। गंगा तट पर बसने वाले 5 किलोमीटर के दायरे में प्रत्येक गांव में जन-जन के सहयोग से सहकारी समितियों का गठन किया जाएगा। इसके लिए समय-समय पर किसानों में जैविक खेती की समझ विकसित करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। रासायनिक खाद के उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर्यावरण एवं नदियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के विषय में लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी को एक कार्य पद्धति से जोड़ने एक विचारधारा से जोड़ने के लिए अगले कुछ दिनों में लगातार प्रयास किया जाएगा और यही सहकार भारती एवं एनएमसीजी का उद्देश्य है, ताकि गंगा निर्मल रूप से बहती रहे।कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त रामनिवास यादव ने सभी का स्वागत किया एवं कहा कि पहली बार स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक जी अशोक कुमार का आगमन साहिबगंज जिले में हुआ है। उन्होंने जिले में नमामि गंगे परियोजना अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिले में गंगा को स्वच्छ रखने से संबंधित कई जागरूकता अभियान एवं गतिविधियां समय-समय पर चलाई जाती है। वही घाट पर हाट के माध्यम से लोगों में जागरूकता तथा विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच लगातार प्रतियोगिताओं का आयोजन कर उन्हें भी एक जिम्मेदार नागरिक बनाने एवं गंगा की स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि जिले में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से सुनिश्चित कराया जा रहा है कि गंगा नदी में अपशिष्ट पदार्थ एवं गंगाजल ना गिरे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा तट पर बसने वाले चिह्नित 75 गांव में सो क्विट का निर्माण किया गया है। वर्मी कंपोस्ट भी बनाए गए हैं। वही लोगों को जैविक खेती से जोड़ने का कार्य किया जाएगा, जिसमें अर्थ गंगा अहम भूमिका निभाएगी। अर्थ गंगा के माध्यम से किसानों की आमदनी तो बढ़ेगी गंगा के तटीय इलाकों में उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कई व्यवस्थाएं भी की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद का उपयोग ना करने हेतु लोगों को जागरूक किया जाएगा एवं आने वाले समय में निश्चित ही लोग रासायनिक खादों के दुष्प्रभाव को समझ सकेंगे।कार्यक्रम के दौरान 06 सहकारी समितियों का पंजीकरण कर उन्हें प्रमाण पत्र दिया गया। वही स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक, सहकार भारती के अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं अन्य गणमान्य को मोमेंटो भी प्रदान किया गया।कार्यक्रम में उपरोक्त के अलावा नगर परिषद के अध्यक्ष श्रीनिवास यादव, प्रदेश महामंत्री सहकार भारती धनंजय कुमार सिंह, सहकार भारती प्रचार प्रसार मीडिया प्रभारी रितेश झा, जिला संयोजक नमामि गंगे मनोज कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी राम प्रसाद, डॉ रणजीत कुमार सिंह, जिला संयोजक गंगा सहकार ग्राम भारती रांची जिला अध्यक्ष राकेश चौधरी, गंगा विचार मंच से धर्मेंद्र कुमार, एनएसएस एनसीसी के सदस्य, स्काउट गाइड के छात्र नेहरू युवा केंद्र के ग्रामीण एवं दूर-दराज के इलाकों से आए किसान आदि उपस्थित थे।

5 मई को संथाली फिल्म फेस्टिवल होगा,8 संताली फिल्म शामिल हुआ है

सूर्य सिंह बेसरा ने किया स्क्रीनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। शुक्रवार को जमशेदपुर स्थित ट्राईबल कल्चरल सेंट्रल सोनारी में 11 वां रास्का संताली फिल्म फेस्टिवल में शामिल कुल 8 फिल्मों का स्क्रीनिंग कार्यक्रम शुभारंभ किया गया । रास्का के संस्थापक सह-पूर्व विधायक श्री सूर्य सिंह बेसरा ने विधिवत रूप से उद्घाटन किया ।इस कार्यक्रम के तहत सबसे पहले टीसीसी में स्थापित ₹पारसी सिंह चांदो ओलचिकी के जनक पंडित रघुनाथ मुरमू की मूर्ति में माला अर्पण किया गया। इस अवसर पर रास्का के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में से शंकर हेमब्रम रतन बेसरा, बिर्धान मरांडी के अलावे तीन सदस्यीय जूरी मेंबर शिवलाल सागर, प्रोफेसर लखाई वास्के सागेन हाँसदाः तथा रविराज मुर्मू और असीत मारडी फूलमुनी माझी लीटु टुडू नारायण मुर्मू झारी लाल मुर्मू पंकज मुर्मू राकेश कुमार सिंह राकेश टू डू उपस्थित थे । रास्का फिल्म फेस्टिवल में शामिल 8 फिल्में क्रमशः फागुन कुनामी (उड़ीसा),साँवता सौँधायनी (पश्चिम बंगाल), होय गे जीवी हासा गे होड़मो (जमशेदपुर) ओकोय ? (राजनगर) जीवित बोंगा (जमशेदपुर) सातबहिनी (गम्हरिया),साकाम ओड़ेज (दुमका) और खांचार मिरू (उड़ीसा) शामिल है । शुक्रवार को ₹फागुन कुनामी₹ फिल्म की स्क्रीनिंग का कार्यक्रम शुभारंभ किया गया । यह सर्वविदित है कि संताली भाषा के लिपि ₹ओलचिकि ₹आविष्कारक पंडित रघुनाथ मुरमू की जयंती के अवसर पर 5 मई 2007 को पंडित रघुनाथ एकेडमी ऑफ संथाली सिनेमा एंड अर्ट(रास्का) का नामकरण के साथ इस संस्था का स्थापना हुई थी; उसके उपरांत सन 2008 से जमशेदपुर में प्रतिवर्ष 5 मई को रास्का संताली फिल्म अवार्ड समारोह आयोजित की जाती है इस बार अगर वहां फिल्म समारोह लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल कॉलेज के नवनिर्मित निर्मित ऑडिटोरियम में करनडी में आयोजित किया जा रहा है ।यह प्रेस विज्ञप्ति रास्का के संस्थापक सह-डायरेक्टर सूर्य सिंह बेसरा द्वारा जारी किया गया है.

नाबालिग से छेड़छाड़ मामले के आरोपी युवक को पुलिस ने दुमका से किया गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गोड्डा । जिले के मेहरमा प्रखंड क्षेत्र के धनकुड़िया गांव के ही रहने वाले युवक तथाकथित डॉन नाबालिक युवती के साथ छेड़छाड़ के आरोपी चंदन कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चंदन कुमार को कई महीनों से पुलिस गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही थी लेकिन पुलिस के हाथ खाली जा रहे थे पुलिस की सूझबूझ से चंदन कुमार को दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया है ।तथाकथित डॉन चंदन कुमार एक बार पुलिस को भी चकमा दे चुका है ।हालांकि पुलिस को भी चंदन कुमार का कई सालों से पकड़ने की तलाश थी। चंदन कुमार अपनी दबंगई से अपने गांव समाज में अपना साम्राज्य खड़ा करना चाह रहा था लेकिन उसके विरुद्ध किसी को बोलने की इतनी हिम्मत नहीं थी जो कि चंदन कुमार के विरुद्ध बोल दे। बीते दिन चंदन कुमार ने गांव के एक दुकानदार को रू 20000 की फिरौती की मांग की गई थी नहीं देने पर दुकानदार को बलबड्डा चौक पर उसे 1 महीने के अंदर गोली मारने की धमकी दी गई थी और कहा था वह तो वक्त बताएगा ।हालांकि मामले पर बलबड्डा थाना प्रभारी गिरधर गोपाल ने कहा बलबड्डा थाना 19/23 कांड दर्ज हुआ था उसी के प्राथमिकी अभियुक्त चंदन यादव जो घनकुडिया गांव का रहने वाला है । उसको अरेस्ट कर के माननीय न्यायालय में भेजा जा रहा है। थाना प्रभारी गिरधर गोपाल ने कहा चंदन यादव के विरुद्ध पहले से भी एक कांड दर्ज है 72/2021 थाना प्रभारी गिरधर गोपाल ने कहा चंदन कुमार के प्रति गांव को लोग भी नाराजगी जताते थे गांव में चंदन कुमार छोटी-मोटी अपराधिक घटनाएं करते रहते थे थाना प्रभारी ने कहा चंदन के खिलाफ भय के कारण गांव के लोग इसके विरुद्ध खुले तौर पर आवेदन देने का हिम्मत भी नहीं करता था थाना प्रभारी गिरधर गोपाल ने कहा चंदन कुमार पोक्सो एक्ट के आरोपी भी थे और करीब 3 महीनों से या फरार चल रहे थे चंदन कुमार की गिरफ्तारी दुमका जिला अंतर्गत हांसडीहा थाना क्षेत्र से किया गया है।

14 स्कूली छात्रों के बीच लाइन्स क्लव ने निशुल्क चशमा किया वितरण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। महेशपुर प्रखंड के राज प्लस टू हाईस्कूल के छात्रों के बीच शुक्रवार को लाइन्स क्लव मुरारई व महेशपुर के सदस्यों ने संयुक्त रूप से निशुल्क चशमा का वितरण किया गया। लाइन्स क्लव के मूकेश अग्रवाल, दिलीप कुमार भगत, पुष्पेंदू दास ,सोमेन मुखर्जी पियूष बनर्जी ने बारी बारी से महेशपुर के अलावे गढ़बाडी हाईस्कूल के कुल 14 छात्र छात्राओं के बीच चशमा का वितरण किया गया। क्लव सदस्य मुकेश अग्रवाल ने बताता कि विते वर्ष दिसंबर माह के अंत स्कूल में कैंप लगाकर छात्रों का नेत्र जांच किया गया था जिन छात्रों को चशमा की जरूरत था वैसे बच्चों को निशुल्क चश्मा दिया गया है। मौके पर शिक्षक शेखर झा अनुप कुमार मंडल जयनेल आवेदिन भी उपस्थित थे।

महारो के समीप तेज रफ्तार टैंकर के चपेट में आने से एक पंद्रह वर्षीय बालक एवं तीन बकरियों की मौत

- आक्रोशित ग्रामीणों ने किया दुमका देवघर सड़क को जाम, करीब तीन घंटे बाद हटा सड़क जाम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। दुमका देवघर मुख्य मार्ग पर महारों के पास सुबह करीब दस बजे तेज रफ्तार टैंकर के चपेट में आने से एक पंद्रह वर्षीय बालक एवं तीन बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई।मृत बच्चे का नाम सुरज चालक हैं जो महारो के मोहन चालक का पुत्र था।सूरज पांचवी कक्षा का विद्यार्थी था। आसपास के लोगों ने बताया कि बच्चा काफी मिलनसार और मेघावी छात्र था।सड़क दुर्घटना में बालक की मौत से महारो एवं आसपास के आक्रोशित लोगों ने दुमका देवघर और दुमका भागलपुर मुख्य पथ को रेलवे लाइन के पास जाम कर दिया.जिससे दोनों और लंबा जाम लग गया.जाम की सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल, थाना प्रभारी जितेंद्र साहू,एसआई सुमित कुमार एवं स्थानीय मुखिया राजू पुजहर घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को काफी समझाने के बाद सड़क जाम हटवाया। स्थानीय लोगों का कहना था कि पंद्रह दिनों के अंदर इसी जगह पर तीन-तीन सड़क दुर्घटना हुई है.जिससे प्रशासन को सतर्क रहना था और दुर्धटना पर नियंत्रण लगाने के लिए उपाय करने की आवशयकता है। ग्रामीणों ने महारों बंगाली टोला के पास,बजरंगबली बाउरी टोला एवं संत जेवियर कालेज के पास ब्रेकर लगाने की मांग की। अंचलाधिकारी ने बताया कि संबंधित वरीय पदाधिकारी को पत्र भेजकर कर ब्रेकर के लिए मांग करेंगे।सीओ ने तत्काल मृतक के आश्रित को दस हजार रुपए की आर्थिक मदद की.आर्थिक सहायता प्रदान करने और ब्रेकर लगाने का आश्वासन मिलने के बाद सड़क जाम हटा और इसके बाद बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेजवाया गया।

12 वर्ष उम्र हाथ में डमरू बर्फ बेचकर चलाता है परिवार, हालात ने छीना बचपन

- छोटू के परिवार को नहीं मिल रहा है सरकारी योजनाओं का लाभ
- छोटू के परिवार के नाम से नहीं है राशन कार्ड
- छोटू के पिता है अपाहिज लेकिन नहीं मिल रहा है सरकारी लाभ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गोड्डा (प्रिस यादव)। लाख सरकारी दावे के बावजूद प्रखंड में बच्चे पढ़ने की उम्र में पढ़ने के बजाय हाथ में लिए डमरु बजाकर बर्फ बेच ते नजर आ रहे हैं ।सरकार बच्चों के भविष्य के लिए चिंतित होने का दावा कर करती है लेकिन मेहरमा प्रखंड के छगरहा गांव के रहने वाला यह 12 साल का बच्चा बर्फ बेचकर ही ही अपना भविष्य तलाश रहे हैं ।जिस उम्र में हाथ में कॉफी और कलम होनी चाहिए इस उम्र में 12 बच्चा के पीट पर लटकती 25 किलो का यह डब्बा और हाथ में डमरू लेकर पूरा गांव घूम रहा है। खेलने कूदने पढ़ने लिखने की उम्र में छोटू बर्फ बेचकर अपना घर परिवार चला रहा है। घर वाले कहते हैं जब छोटू छोटा ही था छोटू की मां मौत हो गया था ।जब छोटू को हाथ में कलम कॉपी पकड़ने की उम्र उम्र हुआ तो छोटू के पिता का एक्सीडेंट हो गया पिता भी पूरी तरह से कुछ काम धंधा नहीं तड़पाने लगे छोटू बताते हैं कि पिता के पैर में स्टील लगा है ।अब तो किसी का मजदूरी भी नहीं कर पा रहा है।हालांकि छोटू पिताजी और दादी के साथ रह रहा है छोटू कहता है हम दो भाई हैं और दो बहन हैं छोटू के परिवार वालों को राशन कार्ड भी नसीब नहीं हुआ है छोटू कहता है कई बार दिए लेकिन आज दिन तक राशन कार्ड नहीं मिला है हालांकि पेट पालने के लिए कुछ तो करना भी तो पड़ेगा ना सरकार की ओर से चलाए जा रहे योजनाओं का एक भी लाभ छोटू के परिवार वालों को नहीं मिला है छोटू की दादी बताती है। छोटू दूध ही पी रहा था उस वक्त उसकी उम्र 4 वर्ष था उसी वक्त मां का प्यार छुट गया 2 साल पहले छोटू के पिता बाइक एक्सीडेंट से हेनडीकेप हो गया। वक्त की पहिया ऐसा पलटा छोटू को पढ़ने के उम्र में 25 किलो का वजन बर्फ का डब्बा और हाथ में डमरू लेकर घूमने पर मजबूर कर दिया छोटू पढ़ना चाहता है ।लेकिन इसे पढ़ाने वाला कोई नहीं छोटू का परिवार चलाने वाला कोई नहीं है। हाथ में लिए डमरु बजा बजा कर गांव घूम कर बर्फ बेचकर अपना घर परिवार चला रहा है।

प्रखंड पंचायत समिति की बैठक संपन्न

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। प्रखंड में पंचायत समिति की बैठक संपन्न प्रखंड प्रमुख सुलेखा देवी की अध्यक्षता में किया गया पंचायत समिति का बैठक। बैठक में मुख्य रूप से सभी सदस्यों का अभिवादन करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी देवघर जितेंद्र कुमार यादव ने विभाग वार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर को हिदायत दी गई है कि आप निरंतर पंचायतों में भ्रमण करते रहें तथा जहां-जहां चापाकल एवं जल मीनार खराब हैं उसे ठीक कराने के लिए मिस्त्री को क्षेत्र में भेजें। शिक्षा विभाग के समीक्षा के क्रम में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि झारखंड में पारा शिक्षकों का सेवा शर्त नियमावली तैयार होने के बाद उन्हें सहायक शिक्षक की मान्यता मिली है तथा उनके वेतन में वार्षिक 4% वृद्धि का प्रावधान किया गया है। कक्षा 1 से 5 तक के सभी शिक्षकों का नियंत्रण पंचायतों के पंचायत सचिव एवं मुखिया जी के हाथों में होगा। पंचायत समिति की स्थाई समिति का भी गठन किया गया। जरुआ डीह में जल मीनार खराब है उसे ठीक कराने के लिए कहा गया। मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के तहत रवि फसल का निबंधन कराना है ।जिस किसान भाई को डोलोमाइट की आवशयकता है प्रखंड कृषि कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराकर डोलोमाइट का उठाव कर सकते हैं ।बसवरिया के पंचायत समिति सदस्य के द्वारा बताया गया कि सरकार द्वारा जो कुछ किसानों का ऋण माफी होना था जिनका रू 1 का टोकन कट गया था। बैंक में जाकर पता करें उनके खाते में राशि आ चुकी होगी। मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना में सर्वे का कार्य चल रहा है ।सर्वे कार्य पूर्ण होते ही उनके खाते में राशि का भुगतान किया जाना संभव है। कृषि विभाग/ आत्मा द्वारा मूंगफली एवं गरमा तिल की खेती कराए जाने की संभावना है किसान प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक से आकर संपर्क कर सकते हैं। जसीडीह सीएचसी प्रभारी डॉ अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि फाइलेरिया की दवा का वितरण किया जा रहा है। सभी लोगों को हिदायत दी गई है कि दवा का सेवन अवशय करें । वर्तमान समय में मीजल्स रूबैल्ला का टीकाकरण किया जा रहा है। सभी प्रतिनिधियों से निवेदन होगा कि आप अपने -अपने पंचायत एवं गांव में पढ़ने वाले बच्चे को विद्यालय में जाकर टीका लगवाना सुनिश्चित कराने का प्रयास करें। ताकि इस रोग पर नियंत्रण पाया जा सके और आने वाली पीढ़ी को खतरा से बचाया जा सके ।सहकारिता विभाग द्वारा बताया गया कि वैसे किसान जिन्होंने दो हजार अट्ठारह उन्नीस में एवं 19-20 में फसल बीमा कराया था कुछ किसानों के खाते में राशि आ चुकी है ,कुछ किसानों के खाते में राशि नहीं आई है। उसके लिए लिखित आवेदन देकर पैक्स अध्यक्ष से संपर्क करें और आवेदन को जिला सहकारिता प्रसार कार्यालय में जमा कराना सुनिश्चित करें। ताकि कंपनी को समय पर सूची भेजी जा सके ।क्योंकि पैसे का भुगतान बीमा कंपनी करेगी । डुमरिया तरी विद्यालय के पास जमीन वन विभाग का है, गांव जाने के लिए रास्ता के लिए वन विभाग से जमीन उपलब्ध कराने को कहा गया। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को बताया गया कि बहुत सारे ऐसे विद्यालय में जहां पर विद्यालय का रंग रोगन नहीं हुआ है, लेकिन राशि की निकासी कर ली जाती है, जो खेद का विषय है ।बैठक में अंचलाधिकारी मोतीलाल हेंब्रोम ने बताया कि किसान अपना सकसेशन, पार्टीशन अवशय करा लें। जिससे उन्हें भविष्य में मिलने वाले लाभ से वंचित नहीं होना पड़े प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि वैसे किसान जो मिक्स फ्रूट लगाना चाहते हैं, आधा एकड़ ,1 एकड़ में सूची रोजगार सेवक के द्वारा प्रखंड कार्यालय तक पहुंचाने का कार्य करें। जिसमें आम, अमरूद, नींबू आदि फल वृक्ष लगाए जाएंगे ।श्रम प्रवर्तन विभाग द्वारा बताया गया कि विभाग में बहुत सारी योजनाएं हैं। अगर प्रवासी मजदूर बाहर जाते हैं ,तो उन्हें निकटतम प्रज्ञा केंद्र के पास जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। भविष्य में अगर उनके साथ बाहर में किसी प्रकार की घटना ,दुर्घटना होती है तो रजिस्ट्रेशन रहने के उपरांत उन्हें सरकार द्वारा मृत्यु उपरांत कम से कम डेढ़ लाख की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। प्रथम किस्त में 50000/रु0 और सत्यापन होने के बाद एक लाख ।वैसे मनरेगा मजदूर जो कार्य कर रहे हैं ,उनको दो बच्चे की छात्रवृत्ति की भी व्यवस्था सरकार के द्वारा की गई है । महिला मजदूर यदि 90 दिन तक मां बनने के उपरांत काम पर नहीं आती है ,तो उन्हें 40 दिन का वेतन भुगतान सरकार के द्वारा किया जाना है ।जेएसएलपीएस में बताया गया कि प्रधानमंत्री बीमा सुरक्षा योजना में रजिस्ट्रेशन कराने से किसानों को बहुत फायदा होगा। 70 वर्ष तक आयु के लोग इसमें अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन शुल्क रू 20 है ।वहीं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 50 साल तक के व्यक्ति बीमा करवा सकते हैं। जिसमें उन्हें रू 436 वार्षिक बीमा राशि का भुगतान किया जाएगा। अटल पेंशन योजना का भी आप लोग ले सकते हैं। वैसे मजदूर या कॉन्ट्रैक्ट कर्मी जिन्हें सरकार द्वारा पेंशन नहीं दिया जाएगा ,इस पेंशन योजना से जुड़कर लाभ ले सकते हैं। तेजस्विनी के कर्मियों द्वारा बताया गया कि उनके विभाग का मुख्य काम है, बाल विवाह रोकना, बच्चे -बच्चियों को सिलाई, कटाई ,शिक्षा, स्वरोजगार से जोड़ना आदि। बैठक में मुख्य रूप से, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अमंदा कुमारी ,अरुण कुमार शर्मा, डॉक्टर इमरान अंसारी, गणेश लाल बरनवाल ,शशांक शेखर ,लक्ष्मी नारायण रावत ,सुधांशु शेखर सिंह ,रमेश झा, अरुण मिश्रा ,वशिष्ठ नारायण सिंह, रामस्वरूप यादव ,लक्ष्मी कुमारी ,अमित कुमार,आसिफ हुसैन, रुकमणी देवी ,नीलांबर झा, गुलाब यादव विधायक प्रतिनिधि पिंन यादव, एवं विधायक प्रतिनिधि देवघर ईश्वर चंद्र राय , के अतिरिक्त सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने किया मालपहाड़ी रेलवे साइडिंग का निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पाकुड़। शुक्रवार को उपायुक्त वरुण रंजन के द्वारा मालपहाड़ी रेलवे साइडिंग का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान मालपहाड़ी स्थित सीबी स्टोन, जीएलदास कम्पनी के क्रशरों का निरीक्षण किया एवं मौके पर स्टॉक रजिस्टर की माँग की गई जिसे कंपनी द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया। सीबी स्टोन के क्रशर को तत्काल रूप से सीलबंद कर दिया गया है एवं संचालन बंद करने हेतु निर्देश दिया गया। खपड़ाजोला स्थित एमएमसी कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा स्टॉक रजिस्टर दिखाया गया है जिसे जाँच हेतु रखा गया है।

मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, जिला खनन पदाधिकारी प्रदीप कुमार, पाकुड़ अंचलाधिकारी आलोक वरण केसरी एवं माइनिंग इंस्पेक्टर पिंटु कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

भटके हुए निर्वस्त्र एवं दिव्यांग बच्चे का सेवा कर प्रशासन को समर्पित किया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर। शुक्रवार की दोपहर देवघर दुमका मुख्य मार्ग बाजार समिति के समीप नग्न अवस्था में निर्वस्त्र एक युवक क्यों 12 से 13 वर्ष के थे वह बोल भी नहीं पाते थे ! उन्हें नेताजी सुभाष जागृति मंच के कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यालय के समीप मनोज कुमार के माध्यम से नया वस्त्र प्रदान किया गया एवं केंद्रीय अध्यक्ष उदय चक्रवर्ती के द्वारा वस्त्र पहनाकर उस युवक को पानी का बोतल फल एवं खाने पीने का सामान देने के बाद प्रशासन को बुलाकर उन्हें सौंप दिया गया ! यह बच्चा कहां का है किसी को पता नहीं है ! चुके यह बच्चा कुछ बोल भी नहीं पाता है इसलिए इनका पता ढूंढना मुश्किल हो रहा है! फिर भी जागृति मंच के सदस्यों ने इन्हे वस्त्र प्रदान कर प्रशासन के हाथ में सौप दिया है ,ताकि जिन परिवार का यह बच्चा हो वह आकर ले जाएं! आज नागपुर के शिवेश केसरी ने भी बच्चों को मदद किया! एक बार फिर आज जागृति मंच को किसी अनाथ का सेवा करने का मौका मिला! इस अवसर पर मंच के सचिव कृष्ण कुमार गुप्ता, संगठन मंत्री कृष्ण कुमार ठाकुर एवं कई गणमान्य उपस्थित थे!

रेलवे ट्रैक घोरमारा के पास युवक ने कट कर दी जान

● आरपीएफ जवान एवं मोहनपुर पुलिस ने युवक के पैकेट से मोबाइल एवं आधार कार्ड के जरिए सूचना दी परिजन को

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मोहनपुर। देवघर दुमका रेलवे लाइन घोंघा रेलवे क्रॉसिंग के पास एक युवक ने चलती ट्रेन के आगे कट कर दी अपनी जान। युवक की पहचान दुमका जिला के तालझारी थाना अंतर्गत गढ़ियारी गांव की रेघनाथ मरांडी 22 वर्षीय पिता परमेश्वर मरांडी जो देवघर दुमका रेललाइन घोरमारा के घोंघा के गांव के पास ट्रेन से कट कर दी जान। युवक की बॉडी रेलवे क्रॉसिंग के बीचो बीच रह गई वही सर धड़ से अलग होकर 20 फीट दूरी पर थे। आसपास के लोगों ने जब देखा कि ट्रेन से एक युवक कट गई है तो तुरंत सूचना मोहनपुर थाना को दिया थाने से पुलिस पहुंचकर सूचना आरपीएफ को दिया गया एवं युवक के पास से मिली मोबाइल एवं आधार कार्ड के अनुसार पुलिस ने तालझारी थाना को सूचित किया जिसके बाद परिजनों को सूचना मिला सूचना मिलते ही परिजन पूरा पहुंचे जहां देखकर सभी के होश उड़ गए परिजनों ने बताई बीए की तैयारी कर रहे थे। लेकिन किस कारण से आत्महत्या की है इनकी हम लोग को कोई जानकारी नहीं मिली है। जिसके बाद आरपीएफ जवानों ने मोहनपुर थाना को बॉडी को सुपुर्द कर दिया पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। युवक ने देवघर दुमका रेलवे लाइन घोरमारा स्टेशन से पहले घोंघा रेलवे क्रॉसिंग के पास चलती ट्रेन के आगे कटकर जान दे दी सूचना मिलते ही आरपीएफ जवान एवं मोहनपुर थाना की पुलिस पहुंचे युवक के पास से मिली आधार कार्ड एवं मोबाइल के जरिए परिजनों को सूचना दी गई।

20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के कार्यालय का उद्घाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर। प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के कार्यालय का उद्घाटन प्रखंड कार्यालय बिल्डिग में मुख्य अतिथि जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष मुन्नम संजय,पूर्व मंत्री सुरेश पासवान तथा झामुमो जिलाध्यक्ष संजय शर्मा के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। कार्यालय उद्घाटन के पश्चात समारोह आयोजित कर अतिथियों तथा बीस सूत्री समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगणों को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया ।समारोह को संबोधित करते हुए जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष मुन्नम संजय ने कहा कि आज यह ऐतिहासिक दिन का हम सभी साक्षी बनें हैं ।हमारे राज्य सरकार ने सैंकड़ो योजनाऐं और महत्वपूर्ण कार्य किए हैं जिसकी एक लंबी फेहरिस्त है,इसे अंगुली पर गिना नहीं जा सकता है। इन सारी योजनाओं से लाभ दिलाने, इनका प्रचार-प्रसार करना,निगरानी आदि कार्य आप जैसे जमीनी कार्यकर्ताओं को यह पद देकर सौंपा है। योजनाओं को धरातल पर लाने में अपनी जिम्मेदारी का निर्वह्न पुरी निष्ठा और ईमानदारी से करें। दल गत भावना से ऊपर उठकर सभी योग्य लाभुकों को लाभ मिले, इसका पुरा ख्याल रखें। जनहित में आपका कार्य सराहनीय हो। पूर्व मंत्री एवं राजद नेता सुरेश पासवान ने कहा कि राज्य से लेकर प्रखंड तक समिति के गठन का एक मात्र उद्देशय है कि ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास करना। झारखंड की महागठबंधन की लोकप्रिय सरकार ने हर जरुरत मंदों को पेंशन,राशन दिया, जिसके लिए पूर्ववर्ती सरकार में गरीबों को कार्यालय का चक्कर काटते हुए पांव जिला जाते थे। किसानों के लिए कृषि ऋण माफी, सुखाड़ राहत राशि तथा फसल बीमा भुगतान कर बहुत बड़ी राहत दी है। इस प्रकार के अनेकों योजनाएं दी है,जो दूसरे राज्यों में नहीं चल रही है। जेएमएम जिलाध्यक्ष संजय शर्मा ने समिति के दायित्वों का बोध कराते हुए कहा कि प्रखंड तथा अंचल के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सरकार के लोकप्रिय योजनाओं को सुगमता से पुरा कराते हुए हेमंत सोरेन के सपनों को साकार करने का काम समिति करे ।जनता या प्रशासन से अकड़ कर नहीं पकड़ कर काम कराऐं। गरीब,मजदूर,किसान हितों के लिए यह सरकार काफी संवेदनशील है ।इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश,जिला सदस्य दिनेश कुमार मंडल,सरोज सिंह,अध्यक्ष प्रखंड बीस सूत्री प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेन्द्र कुमार यादव ने भी संबोधित किया ।इस दौरान अंचलाधिकारी मोतीलाल हेम्ब्रम, उपाध्यक्ष विपिन यादव,सदस्य सुधीर देव,सुखलाल हेम्ब्रम,मंटू दास,मो समीम,संजू मुर्मू,जहांपनाह बीबी के साथ जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मनोज यादव,प्रमुख सुलेखा देवी, मनोरंजन यादव,बीटीएम शशांक शेखर,डा इरफान,गणेश बर्नवाल,तथा प्रखंड कर्मी,कांग्रेस,जेएमएम,राजद के कार्यकर्ता सदाशिव राणा,मो सोयेब,दिनेश मरांडी,प्रवीण शर्मा,दिलीप यादव, महादेव पंडित,सयुब अंसारी,अजय यादव, रवि राय, सिकंदर यादव,नीलू पुजहर,चंद्र किशोर दास,सुभाष झा,वृजभूषण दुबे,नीलम देवी, रामरेख यादव, लखेश्वर पंडित,लालू,किशोर देव,जेएमएम जिला उपाध्यक्ष सरोज सिंह के साथ सम्मानित पंचायत समिति के सदस्यगण आदि मौजूद थे।

मनीष कश्यप पर आखिर NSA क्यों लगाया? CJI चंद्रचूड़ के सवाल पर तमिलनाडु सरकार ने दी 3 दलील, कहा- FIR रद्द नहीं कर सकते

तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक एफिडेविट दाखिल किया है और कहा कि मनीष कश्यप के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द नहीं की जा सकती है।

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

Manish Kashyap News: यूट्यूबर मनीष कश्यप (Manish Kashyap) की गिरफ्तारी और उन पर एनएसए (NSA) लगाने के मामले में 28 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। तमिलनाडु सरकार ने अपना जवाब दाखिल किया और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ (CJI DY Chandrachud) और जस्टिस पीएस नरसिम्हा के उस सवाल का जवाब दिया कि आखिर मनीष कश्यप के खिलाफ नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (NSA) क्यों लगाया गया?

» तमिलनाडु सरकार की 3 दलील

● पहली दलील: तमिलनाडु सरकार (Tamil Nadu Government) ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court) में एक एफिडेविट दाखिला किया, जिसमें एक-एककर NSA लगाने की वजहें बताई गई हैं। सरकार ने दलील दी कि मनीष कश्यप के खिलाफ न तो FIR रद्द की जा सकती है और न ही एनएसए, क्योंकि उन्होंने तमिलनाडु में बिहार के प्रवासियों की पीट-पीटकर हत्या की बात कहते हुए डॉक्टर्ड वीडियो बनाए और उसके बैकग्राउंड में फर्जी क्लिप इस्तेमाल की।

● दूसरी दलील: तमिलनाडु सरकार ने दलील दी कि मनीष कश्यप (Manish Kashyap) जब तमिलनाडु आए तो उन्होंने प्रवासियों से जानबूझकर उकसाने वाले सवाल पूछे। उनके सवाल से वैमनस्य और उनका दृष्टिकोण साफ जाहिर हो रहा था।

● तीसरी दलील: सरकार ने तीसरी दलील में कहा कि मनीष कश्यप ने वीडियो से छेड़छाड़ की और जानबूझकर फेक न्यूज़ फैलाया, क्योंकि उनका मकसद सांप्रदायिक हिंसा भड़काना

मनीष कश्यप पर आखिर ठरअ क्यों लगाया? CJI चंद्रचूड़ के सवाल पर तमिलनाडु सरकार ने दी 3 दलील, कहा- FIR रद्द नहीं कर सकते

तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक एफिडेविट दाखिल किया है और कहा कि मनीष कश्यप के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द नहीं की जा सकती है।

आदिवासी दान से नहीं, स्वाभिमान से जीना चाहता है : सुदेश कुमार महतो

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

- जनजातीय विकास की बातें सरकारी फाइलों और इश्तेहारों तक सीमित
- राज्य सरकार जनजातीयों की दशा और दिशा नहीं सुधार सकी
- जल, जंगल, जमीन की दुहाई देने वालों के शासन में सरकारी संरक्षण में हो रहा संपदाओं का दोहन
- सरकार ने जनजातीय समुदाय के राजनीतिक हैसियत तथा सामाजिक, आर्थिक रुप से कमजोर कर दिया
- बोकारो में आयोजित अखिल झारखंड अनुसूचित जनजाति महासभा का जिला सम्मेलन संपन्न

बेरमो। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि आदिवासी दान से नहीं, स्वाभिमान से जीना चाहता है। जल, जंगल, जमीन की दुहाई देने वालों के शासन में सरकारी संरक्षण में संपदाओं का दोहन जारी है। सरकार ने जनजातीय समुदाय के राजनीतिक हैसियत तथा सामाजिक, आर्थिक रुप से कमजोर कर दिया तथा विकास के सभी मानकों में पीछे कर दिया। जनजातीय विकास की बातें सरकारी फाइलों और इश्तेहारों तक सीमित है। बेरमो में आजसू पार्टी के द्वारा आयोजित अखिल झारखंड अनुसूचित जनजाति महासभा के जिला सम्मेलन में सुदेश कुमार महतो ने यह बातें कही। उन्होंने आदिवासियों मूलवासियों की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा करते हुए सबसे ज्यादा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला बोला। वन क्षेत्र अधिकार कानून के बावजूद आदिवासियों को वाजिब हक नहीं मिल रहा। राज्य के मुखिया को वनाधिकार कानून को हमारे राज्य में लागू करने की हिम्मत नहीं। प्रतिदिन संपदाओं की लूट जारी है। ग्राम सभा और स्वशासन व्यवस्था की अहमियत को कम किया जा रहा है। वोट की खातिर आदिवासी समाज की क्षमता को कमजोर किया जा रहा है। कहा कि सरकार जनजातियों की दशा और दिशा सुधार नहीं सकी। जनजातीय परिवार तक आजीविका और रोजगार कैसे पहुंचे, इसे लेकर सरकार ने कभी गंभीरता नहीं दिखाया ना ही कोई रोडमैप तैयार किया। कहा कि हम और हमारी पार्टी ग्राम सभा, गांव की सरकार पर जोर देती रही है। आदिवासी समाज भी इसका प्रबल पैरोकार है। लेकिन झारखंड में पंरपरागत शासन व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने की कोशिशें जारी हैं। सरकारी तंत्र इस समाज की भावना को समझ नहीं पाता। इसकी वजह है कि तंत्र गांव से दूर है और जन की आवाज तंत्र तक पहुंच नहीं पाती। पलायन, विस्थापन जैसी समस्या बड़ी है। हिस्सेदारी का संकट है। खनिज का दोहन जनभावना के विपरीत है ।सासंद चन्द प्रकाश चौघरी ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार अनुसूचित जनजाति को छलने व ठगने का काम किया है। कहा कि झारखंड में झूठ और लूट की बुनियाद पर टिकी सरकार है. इसने झूठे वादे और सपने दिखाकर जनादेश तो लिया, लेकिन सत्ता मिलते ही झारखंडियों के साथ विश्वासघात कर दिया। जनादेश का अपमान करना शुरू कर दिया। आलम तो ये है कि तीन वर्षों के कार्यकाल में ये अपने वादों, अपने मेनिफेस्टो के अनुसार एक कदम भी नहीं चले। युवा, महिलाएं,अनुबंधकर्मी अपना हक मांगने के लिए सड़कों पर उतरते हैं, तो सरकार उन पर लाठियां बरसाती है। गोमिया विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि जब से झारखंड में झामुमो गठबंधन की सरकार बनी है साथ ही हेमंत सोरेन इनके मुखिया बने हैं तब से झारखंड में लूट व भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर देखा जा रहा है। आलम यह है कि किसी भी कार्यालय में बगैर चढ़ावा का कोई काम नहीं होता है। गरीब परेशान हैं उचित लाभुक को आवास व पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है ऐसे में जनता इस सरकार से उम्मीद ही क्या कर सकती है। कार्यक्रम को प्रवक्ता देवशरण भगत, पूर्व विधायक उमाकांत रजक, बेरमो विधानसभा प्रभारी काशीनाथ सिंह,अनूप मुर्मू , राजकुमार मरांडी आदि ने संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन नवीन महतो ने किया। इस अवसर पर यशोदा देवी, बबीता देवी, सचिन महतो, संतोष महतो, टिकैत महतो, दीपक महतो,महेंद्र चौधरी, सुरेश महतो ,महेश देशमुख ,विरू हरी ,विनोद महतो आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

क्षणिकाएँ

मजाक

1.
वो ,
जनता को,
लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ,
रीढ़ बताते है;
भावनाओं का खूब,
मजाक उड़ाते है।

पाक- साफ

2.
वो,
उनके,
अलोकतांत्रिक चरित्र का,
बातों का,
व्यवहारों का,
पूरजोर विरोध करते है;
लोग ,
समर्थन भी करते है,
पर,
सवाल यह भी,
कि,
क्यों नही वो भी,
अपने चरित्र को,
पाक साफ नही रखते है।

3.
वो,
बेटी बचाओं का,
यहाँ- वहाँ,
सुर्खियों में,
खूब नारा देते है;
पर,
उसकी सुरक्षा की,
न तो कोई यथार्थ गारंटी,
न ही ठोस सहारा देते है।

छद्म इरादा

4.
वो,
विकसित भारत के लिए,
गाँवों को,
मजबूत बनाना चाहते है;
वो ,
वहाँ गाँव,
गाँव की गरीबी मिटा,
शहर कैसे बसायेंगे?
योजनाएं तमाम जानते है।

प्रस्तुति
डॉ विनोद कुमार शर्मा,
(नैदानिक मनोवैज्ञानिक)
असिटेंट प्रोफेसर,
विभागाध्यक्ष,
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
सिकामु विवि, दुमका।

तरल डीएपी, यूरिया का इस्तेमाल उर्वरक उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाएगा: अमित शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को किसानों से तरल नैनो डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) और तरल नैनो यूरिया का इस्तेमाल बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि इन कृषि आदानों के व्यापक उपयोग से उर्वरक उत्पादन में भारत आत्मनिर्भर बनेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी।

इफको के नैनो (तरल) डीएपी उर्वरक को वाणिज्यिक बिक्री के लिए 500 मिलीलीटर की बोतल में पेश करते हुए शाह ने कहा कि यह तरल कृषि आदान कृषि उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा को बढ़ाने में मदद करेगा और साथ ही मिट्टी के स्वास्थ्य के संरक्षण में भी मदद करेगा। इस 500 मिलीलीटर की बोतल का दाम 600 रुपये है। यह तरल डीएपी की कीमत पारंपरिक डीएपी (डाय-अमोनियम फॉस्फेट) की वर्तमान कीमत से आधी से भी कम है।

पारंपरिक डीएपी (50 किलो) के एक बैग की कीमत 1,350 रुपये है। तरल उर्वरकों के उपयोग के लाभों में आयात खर्च कम करने के अलावा मृदा संरक्षण, उच्च फसल उपज, आसान परिवहन और भंडारण शामिल हैं। शाह ने कहा कि भारत की 60 प्रतिशत आबादी कृषि और संबंधित गतिविधियों से जुड़ी है और यह 'क्रांतिकारी विकास' देश को उर्वरक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा। 2022-23 में उर्वरक सब्सिडी बिल 2.25 लाख करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि नैनो डीएपी के इस्तेमाल से किसानों को फसल उत्पादन पर होने वाले खर्च में छह से 20 प्रतिशत की कमी लाने में मदद मिल सकती है। मंत्री ने कहा कि इफको को 20 साल के लिए नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के लिए पेटेंट मिला है और इस सहकारी संस्था को उत्पादों के इस्तेमाल में लाने के एवज में रॉयल्टी मिलेगी। सरकार ने इस साल मार्च में नैनो डीएपी (तरल) अधिसूचित किया था। इफको ने एक बयान में कहा कि उसने गुजरात के कलोल, कांडला और उड़ीसा के पारादीप में नैनो डीएपी उर्वरकों के उत्पादन के लिए विनिर्माण सुविधाएं स्थापित की हैं। कलोल संयंत्र में उत्पादन शुरू हो चुका है और इस साल 25 लाख टन डीएपी के बराबर नैनो डीएपी लिक्विड की पांच करोड़ बोतल का उत्पादन किया जाएगा। अनुमान है कि इफको द्वारा 2025-26 तक नैनो डीएपी की 18 करोड़ बोतलों का उत्पादन पारंपरिक डीएपी के 90 लाख टन की जगह लेगा। नैनो डीएपी में एक बोतल में आठ प्रतिशत नाइट्रोजन और 16 प्रतिशत फॉस्फोरस होता है, जो पारंपरिक डीएपी के 50 किलोग्राम के बैग का स्थान ले सकता है। इफको ने आगे कहा कि उसने अगस्त, 2021 से नैनो यूरिया की 5.44 करोड़ बोतलें बेची हैं। इफको के चेयरमैन दिलीप संघानी ने कहा कि नैनो डीएपी को किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें बेहतर भविष्य प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि और आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप बनाया गया है।

इफको के प्रबंध निदेशक यू.एस. अवस्थी ने कहा, ''नैनो डीएपी फसल की पोषण गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने में बहुत प्रभावी पाया गया है और इसका पर्यावरण पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन (ग्लोबल वार्मिंग) में महत्वपूर्ण कमी आ सकती है।

सिंपल एनर्जी अगले महीने बाजार में उतारेगी ई-स्कूटर

मुंबई, एजेंसी। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी सिंपल एनर्जी ने बुधवार को कहा कि वह अपने पहले ई-स्कूटर 'सिंपल वन' को अगले महीने बाजार में उतारेगी। हालांकि, इस वाहन की आपूर्ति कब शुरू होगी इस बारे में उसने कोई जानकारी नहीं दी। इससे पहले भी ईवी स्टार्टअप सिंपल एनर्जी ने आपूर्ति कार्यक्रम में बदलाव किए थे। पिछले वर्ष अक्टूबर में उसने कहा था कि इस स्कूटर की डिलिवरी मार्च तिमाही में होगी। सिंपल एनर्जी ने बयान में कहा, ''सिंपल वन 23 मई को बेंगलुरु में पेश किया जाएगा। इसके साथ ही कंपनी भारत में दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार में हलचल मचाना चाहती है।'' इस स्कूटर की बुकिंग 15 अगस्त, 2021 से शुरू हो चुकी है। हालांकि, ग्राहकों को स्कूटर कब मिलने शुरू होंगे, इस बारे में कंपनी ने कोई जानकारी नहीं दी।

राजस्थान का माल निर्यात 10.4 प्रतिशत बढ़ा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान ने फरवरी 2023 तक अपने माल निर्यात में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.04 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

राजस्थान निर्यात संवर्धन परिषद (आरईपीसी) और राजसिको के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने कहा कि इस वृद्धि में राज्य के कपड़ा, कृषि-खाद्य उत्पाद, रत्न और आभूषण और इंजीनियरिंग सामान का प्रमुख योगदान रहा है।

अरोड़ा ने कहा कि राज्य में 31 लाख से अधिक लोग निर्यात इकाइयों और संबद्ध सेवाओं में कार्यरत हैं। उन्होंने विभिन्न जिलों के 9,000 से अधिक उद्यमियों, कारीगरों और हस्तशिल्पियों को निर्यातक बनाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया और प्रलेखन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मिशन निर्यातक बनो पहल के तहत राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन?होंने कहा कि? इससे राजस्थान से निर्यात 2017-18 में 46,476 करोड़ रुपये से बढ़कर फरवरी 2023 में 70,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

अब उबर कैब बुक करने का सबसे बड़ा झंझट खत्म, कंपनी ने 6 शहरों में शुरू की ये स्कीम

नयी दिल्ली, एजेंसी। ऐप आधारित कैब सेवाएं देने वाली कंपनी उबर ने भारत के छह और शहरों में 30 मिनट से लेकर 90 दिन पहले 'राइड बुक करने की 'रिजर्व सुविधा का विस्तार किया है। इसके जरिये यात्रियों के पास अपनी यात्रा से पहले ही कैब बुक करने का विकल्प होगा। उबर ने बयान में कहा कि उबर रिजर्व अब नकद भुगतान के लिए उपलब्ध होगा। उबर ने छह नए शहरों- कोच्चि, चंडीगढ़, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ और गुवाहाटी में 'रिजर्व सेवा का विस्तार किया है। उबर ने कहा, ''रिजर्व अब उबर ऐप के नवीनतम संस्करण में एक नया विकल्प दिखाई देगा और यह उबर प्रीमियर, उबर इंटरसिटी, उबर रेंटल और उबर एक्सएल पर उपलब्ध है। इसके साथ, यह सेवा अब देश के 13 शहरों - मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, कोलकाता, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद, कोच्चि, चंडीगढ़, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ और गुवाहाटी में मौजूद है। उबर भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष प्रभजीत सिंह ने कहा, ''रिजर्व के साथ उपभोक्ता निश्चितंता के साथ कैब बुक कर सकेंगे। इसके अलावा उबर के चालकों के पास भी पहले से बुकिंग वाली राइड या मांग पर कैब की सुविधा, दोनों में से चुनने का विकल्प होगा।

रुपया 21 पैसे की तेजी के साथ 81.74 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। विदेशी बाजारों में डॉलर के कमजोर होने के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे की तेजी के साथ 81.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार सूत्रों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में मजबूती के रुख के कारण भी रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 21 पैसे की तेजी के साथ 81.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान रुपये में 81.68 के उच्चस्तर और 82.01 के निचले स्तर के बीच घटबढ़ हुई। मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 81.95 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.43 प्रतिशत घटकर 101.42 रह गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 169.87 अंक की तेजी के साथ 60,300.58 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 80.87 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने पिछले कारोबारी सत्र में 407.35 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सोना 590 रुपये चढ़ा, चांदी 420 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 590 रुपये के उछाल के साथ 61,040 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 420 रुपये की तेजी के साथ 75,070 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत 590 रुपये की तेजी के साथ 61,040 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,997.8 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी भी तेजी के साथ 24.95 डॉलर प्रति औंस हो गई। बुधवार को एशियाई कारोबार के घंटों में सोने की कीमतों में तेजी का रुख रहा।

ताजा सौदों की लिवाली से बिनौलातेल खली वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली, एजेंसी। मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को बिनौला तेल खली की कीमत 17 रुपये की तेजी के साथ 2,735 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। एनसीडीईएक्स में बिनौलातेल खली के मई माह में डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 17 रुपये यानी 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,735 रुपये प्रति क्विंटल हो गई जिसमें 45,350 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में पशुचारा निर्माता कंपनियों की बढ़ती मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से यहां बिनौलातेल खली वायदा कीमतों में तेजी आई।

राजीव अरोड़ा ने राजस्थान में निर्यात को बताया बेहतर

नयी दिल्ली, एजेंसी। 'एक्सपोर्ट ग्रोथ एवं फ्यूचर स्ट्रेटजी ऑफ राजस्थान' पर चर्चा करने के लिए मंगलवार शाम को जयपुर के होटल हिल्टन में राज्य के प्रमुख औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संगठन और उद्योगपति एक जुट हुए। राजस्थान सरकार के राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (आरईपीसी) द्वारा आयोजित इस बैठक में आरईपीसी एवं राजसीको के चेयरमैन श्री राजीव अरोड़ा के अतिरिक्त वाईस-चेयरमैन आरईपीसी श्री महावीर प्रताप शर्मा, चेयरमैन रबरबोर्ड, डॉ सावर धाननिया, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त, श्री महेन्द्र पारख, आयुक्त राजस्थान फाउंडेशन श्री धीरज श्रीवास्तव, प्रबंध निदेशक आरएसआईसी डॉ मनीशा अरोड़ा भी उपस्थित थे।

आरईपीसी एवं राजसीको के चेयरमैन श्री राजीव अरोड़ा ने बताया कि यह बेहद प्रसन्नता की बात है कि वर्ष 2022-2023 में राजस्थान से निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऐसा अनुमान है कि इस दौरान राजस्थान से लगभग 80,000 करोड़ रुपयों का रिकॉर्ड स्तर पर निर्यात हुआ है। राजस्थान में निर्यात क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए राज्य से निर्यात संभावनाओं पर मंथन करने और वृद्धि करने को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा मार्केटिंग करने के उद्देश्य से जयपुर एवं विदेश में जैसे मॉरीशस में एग्जीबिशंस आयोजित करने के लिए एक्सपोर्टस् से विचार विमर्श किया गया।

इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य के प्रमुख औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संगठनों जैसे फेडरेशन ऑफ इंडियन चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की), कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), सीतापुरा स्पेशल इकोनॉमिक जोन (सीतापुरा सेज), महेन्द्रा वर्ल्ड सिटी सेज, एसोचेम, पीएचडीसीसीआई, फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी), फेडरेशन ऑफ राजस्थान एक्सपोर्टर्स (फोरे), राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आरसीसीआई), फेडरेशन ऑफ राजस्थान हैण्डीक्रॉफ्ट एक्सपोर्टर्स (फोरहेक्स); राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स एसोसियेशन (आरटीएमए), आदि के अध्यक्ष, सदस्य एवं उद्योगपतियों ने भाग लिया और राजस्थान से निर्यात में वृद्धि करने के लिए अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए।

हरित हाइड्रोजन, अमोनिया उपक्रमों के वित्तपोषण के लिए अवादा ने किया 1.07 अरब डॉलर जुटाने का करार

नयी दिल्ली, एजेंसी। एकीकृत ऊर्जा मंच अवादा ग्रुप ने ब्रुकफील्ड रिन्यूएबल और द ग्लोबल पावर सिनर्जी पब्लिक कंपनी लिमिटेड (जीपीएससी) से 1.07 अरब डॉलर का वित्तपोषण जुटाने के लिए करार किया है। कंपनी इन पूंजी का उपयोग भारत में अपने हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया उपक्रमों के वित्तपोषण पर करेगी। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि ब्रुकफील्ड रिन्यूएबल अपने ब्रुकफील्ड ग्लोबल ट्रांजिशन फंड (बीजीटीएफ) के जरिये अवादा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड में एक अरब डॉलर तक का निवेश करेगी। बयान में कहा गया है कि जीपीएससी अवादा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड में 6.8 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी। पूंजी जुटाने का यह समझौता अवादा ग्रुप की 1.3 अरब डॉलर का कोष जुटाने की योजना का हिस्सा है। इसमें कहा गया है कि समूह अन्य संभावित निवेशकों से 20 करोड़ डॉलर और जुटाने के लिए भी बातचीत कर रहा है। अवादा ग्रुप के चेयरपर्सन और संस्थापक विनीत मित्तल ने कहा, मैं कंपनी के विकास के अगले चरण में शामिल होने के लिए ब्रुकफील्ड के साथ जुड़ने से खुश हूं। यह सहयोग रोमांचक अवसरों का पता लगाने में हमारी मदद करेगा।

देश में पिछले दो साल में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में तेजी से बढ़ी है कुशल पेशेवरों की मांग : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। देश में पिछले दो साल में पहली और दूसरी श्रेणी के शहरों में सरकार के स्वास्थ्य सेवा और नर्सिंग पर जोर देने से अस्पताल का तेजी से विस्तार हुआ है जिससे कुशल स्वास्थ्य कर्मियों के लिए नौकरी के अवसरों (विज्ञापनों) में लगातार वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट से बुधवार को यह जानकारी मिली है। वैश्विक जॉब साइट इनडीड के आंकड़ों के मुताबिक, देश में जनवरी, 2021 और जनवरी, 2023 के बीच स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में नौकरी के विज्ञापनों में 22.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसमें कहा गया है कि स्वास्थ्य सेवा और नर्सिंग के लिए सरकार के जोर ने इस मांग को बढ़ाया है क्योंकि पहली और दूसरी श्रेणी के शहरों में अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा श्रृंखला का तेजी से विस्तार हो रहा है।

यह आंकड़ा जनवरी, 2021-जनवरी, 2023 में इनडीड के पोर्टल पर नौकरियों और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में रोजगार के लिए 'क्लिक' पर आधारित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौकरी चाहने वाले लोग भी स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में तेजी से अवसरों की तलाश कर रहे हैं। इनमें स्वास्थ्य देखभाल भूमिकाओं के लिए खोज में 52 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

इनडीड इंडिया के बिक्री प्रमुख शशि कुमार ने कहा, ''भारत का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है, इसलिए इस क्षेत्र में नौकरी चाहने वालों के लिए अवसर भी बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य देखभाल की बढ़ती जरूरतों, बढ़ती आय और सरकारी की पहल से स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र में जबर्दस्त उछाल आया है। इसने पहली और दूसरी श्रेणी के शहरों में अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं।''

किआ ने 2022-23 में दो लाख वाहनों के निर्यात का आंकड़ा पार किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। वाहन विनिर्माता किआ इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2022-23 में दो लाख वाहनों के निर्यात का आंकड़ा पार कर लिया। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने बीते वित्त वर्ष में करीब 95 देशों को भारत में बने अपने वाहनों का निर्यात किया। उसे पश्चिम एशिया और मेक्सिको जैसे बाजारों से वाहनों की मांग में तेजी बने रहने की उम्मीद है।

किआ के मुताबिक, उसके निर्यात आंकड़ों में सेल्टोस मॉडल 1,35,885 इकाइयों के साथ सबसे आगे रहा। इसके अलावा सोनेट और कारेंस मॉडल के वाहन भी अच्छी संख्या में निर्यात किए गए।

वित्त वर्ष 2022-23 की मार्च तिमाही में किआ इंडिया का निर्यात एक साल पहले की तुलना में 22 प्रतिशत बढ़ गया। इसके अलावा दिसंबर के महीने में कंपनी ने 9,462 वाहनों को निर्यात किया जो उसका सर्वाधिक मासिक निर्यात है। किआ इंडिया के मुख्य बिक्री एवं कारोबार अधिकारी मुंग-सिक सोन ने कहा, ''हम अपने अत्याधुनिक अनंतपुर संयंत्र की विनिर्माण क्षमता दुनिया को दिखाकर गौरवांवित हैं। इसके साथ ही यह दर्शाता है कि भारत एक विनिर्माण केंद्र के तौर पर एसयूवी की वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए तैयार है।''

सैलरी विवाद को लेकर रतन टाटा के शरण में पहुंचे एयर इंडिया के पायलट

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया के पायलटों ने टाटा संस लिमिटेड के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा को एक ऑनलाइन आवेदन दिया है। इसमें कहा गया है कि कंपनी के पायलटों का मनोबल गिरा हुआ है। ऐसा इसलिए, क्योंकि एयरलाइन के मानव संसाधन विभाग उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं कर रहा है। यह कहते हुए कि वे अपने काम और वैश्विक मंच पर टाटा समूह और भारत का प्रतिनिधित्व करने में अपनी भूमिका पर बहुत गर्व महसूस करते हैं, पायलटों ने कहा ?एचआर विभाग के रवैये के कारण इस समय हम मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। हमें लगता है कि हम एयर इंडिया के कर्मचारियों के रूप में जिस सम्मान और गरिमा के हकदार हैं, वैसा व्यवहार नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने आवेदन में कहा, यही वजह है कि हमारा मनोबल गिरा हुआ है और हम चिंतित हैं कि इससे हमारी क्षमताओं के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करने की हमारी क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आवेदन की एक प्रति आईएएनएस के पास है। पायलटों ने यह भी कहा कि वे एयरलाइन के सामने आने वाली चुनौतियों को समझते हैं और जटिल समाधान खोजने के लिए कंपनी के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे सभी हितधारकों को लाभ होगा।

आवेदन में कहा गया है, हालांकि, हमें लगता है कि हमारी चिंताओं पर एचआर टीम ध्यान नहीं दे रहा है। इसलिए हम इन मुद्दों को हल करने में आप से सहायता करने का सम्मानपूर्वक अनुरोध कर रहे हैं। यदि यह मुद्दा इतना महत्वपूर्ण नहीं होता तो हम आपको परेशान नहीं करते। लेकिन हम मानते हैं कि एयर इंडिया के सेवानिवृत्त चेयरमैन के रूप में आपका उदार नेतृत्व हमें एक ऐसा समाधान खोजने में मदद कर सकता है, जो सभी पक्षों के लिए उचित और सम्मानजनक हो।

इससे पहले दो पायलट निकायों - इंडियन कमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन और इंडियन पायलट्स गिल्ड ने टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन को एक पत्र लिखकर उनके हस्तक्षेप की मांग की थी, क्योंकि एयर इंडिया की एचआर नीति विश्वास की कमी से प्रेरित है।

इंडियन कमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन (आईसीपीए) और इंडियन पायलट्स गिल्ड (आईपीजी) के एक संयुक्त पत्र में कहा गया है, टाटा ने हमेशा अपनी निष्पक्षता और नैतिक मूल्यों को कायम रखा है। हालांकि, पायलटों के संबंध में मानव संसाधन विभाग की कार्रवाई पूरी तरह से इन मूल्यों के विपरीत है। पायलटों के साथ अनुचित व्यवहार किया जा रहा है। कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए मौजूद कानूनों और नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है। पायलटों को एक शत्रुतापूर्ण कार्य वातावरण के अधीन किया जा रहा है।

एसएंडपी ग्लोबल ने टाटा मोटर्स की रेटिंग में सुधार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने टाटा मोटर्स की आय में सुधार और कर्ज के बोझ को घटाने की कवायदों के चलते परिदृश्य को स्थिर मानते हुए कंपनी की रेटिंग में बदलाव किया है और इसे स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबी कर दिया गया है। इससे पहले टाटा मोटर्स को एजेंसी ने 'बीबी- की रेटिंग दी थी। एसएंडपी रेटिंग्स के मुताबिक 'बीबी श्रेणी निकट भविष्य में कम अस्थिरता को दर्शाती है। हालांकि, इसमें कई मौजूदा अनिश्चितताओं के साथ प्रतिकूल व्यापार, वित्तीय और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करने का जोखिम होता है।

रेटिंग एजेंसी ने बयान में कहा कि भारत में टाटा मोटर्स की परिचालन परिस्थितियों विशेषकर उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी जगुआर लैंड रोवर ऑटोमोटिव पीएलसी (जेएलआर) की परिचालन परिस्थितियों में सुधार के चलते आने वाले 12 से 18 माह में कंपनी के लिए नकदी प्रवाह मजबूत होगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा, ''इसलिए हमने टाटा मोटर्स और उसकी मूल अनुषंगी टीएमएल होल्डिंग्स के लिए दीर्घकालिक रेटिंग्स को 'बीबी माइनस से सुधार कर 'बीबी कर दिया है। इसमें कहा गया कि स्थिर रेटिंग परिदृश्य का मतलब यह है कि टाटा मोटर्स का नकदी प्रवाह आने वाले 12-18 महीने में बेहतर होता जाएगा।

पीएलआई के तहत मार्च तक 2,875 करोड़ रुपए आवंटित

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लाभार्थियों को मार्च तक 2,874.71 करोड़ रुपए जारी किए हैं। इससे लाभान्वित होने वाली कंपनियों में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, दवा एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी फर्मों की बहुतायत है। उद्योग संवर्द्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अतिरिक्त सचिव राजीव सिंह ठाकुर ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आठ उद्योग क्षेत्रों का प्रदर्शन पीएलआई योजना के तहत काफी अच्छा रहा है जबकि कुछ अन्य क्षेत्रों को अपनी रफ्तार बढ़ाने की जरूरत है। सरकार ने वर्ष 2020 में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए पीएलआई योजना की शुरुआत की थी। इसके तहत 14 क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहन के तौर पर कंपनियों को देने के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया था। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत आठ क्षेत्रों की कंपनियों से 3,420.05 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन दावे मिले हैं जिनमें से मार्च तक सरकार ने 2,800 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान कर दिया है।

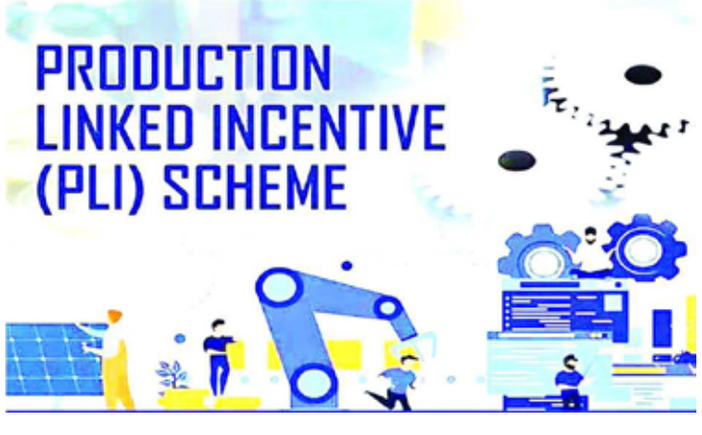

सिंह ने कहा, ''अगले दो-तीन साल काफी महत्वपूर्ण होंगे और हमें उम्मीद है कि चीजें तेज रफ्तार से आगे बढ़ेंगी। दिसंबर, 2022 तक सरकार को 14 क्षेत्रों में सक्रिय कंपनियों से 717 आवेदन मिले थे। इनमें कंपनियों ने 2.74 लाख करोड़ रुपए निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी। हालांकि, सिंह ने कहा कि वास्तविकता में 53,500 करोड़ रुपए का निवेश ही हुआ है जिससे पांच लाख करोड़ रुपए की उत्पादन वृद्धि और तीन लाख से अधिक रोजगार पैदा हुए हैं। पीएलआई योजना के तहत सबसे ज्यादा 1,649 करोड़ रुपए इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को आवंटित किए गए थे। इसके अलावा दवा क्षेत्र को 652 करोड़ रुपए और खाद्य उत्पाद क्षेत्र को 486 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। इस योजना के दायरे में कुछ अन्य क्षेत्रों को भी शामिल किए जाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कई उद्योगों से इस तरह की मांग सामने आ रही हैं लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं किया गया है।

रूस ने यूक्रेन पर एक दिन में दागीं 23 मिसाइलें:3 बच्चों समेत 16 की मौत, ये 2 महीनों में किया गया सबसे बड़ा अटैक

रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन पर एक के बाद एक 23 मिसाइलों से हमला किया। इसमें अलग-अलग शहरों में 3 बच्चों समेत 16 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्टस के मुताबिक उमान शहर में 13 लोगों की मौत हुई। जबकि 9 लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निप्रो में मिसाइल ने एक घर को चपेट में ले लिया जिससे एक 2 साल की बच्ची और उसकी मां की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हुए। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

जेलेंस्की ने कहा शैतानों को केवल हथियारों से रोका जा सकता है

यूक्रेन की राजधानी कीव और क्रेमेनचुक शहर में भी धमाके हुए हैं। जेलेंस्की ने बताया की रूसी मिसाइलों के हमले में 10 रहवासी इमारतें भी चपेट में आई हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि शैतानों को केवल हथियारों से रोका जा सकता है, रूस पर पाबंदियां बढ़ानी चाहिए।

वहीं कीव शहर के मिलिट्री प्रशासन ने के मुताबिक पिछले 51 दिनों में यह यूक्रेन की राजधानी पर हुआ पहला हमला है।

हमले में तबाह हुई इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति ने रॉयटर्स को बताया कि हमला इतना तेज था कि आसपास सब कुछ हिलने लगा, फिर एकदम से धमाका हुआ। वहीं, एक दूसरे व्यक्ति ने बताया कि उसने पहले धमाका सुबह 4:30 पर सुना था। दो बहुत तेज धमाके हुए थे, जिनमें आसपास के सब चीजें जल्दी शुरू हो गई।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक- बातचीत के दौरान फोकस रूस-यूक्रेन जंग पर ही रहा। बातचीत के बाद जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा- चीन के प्रेसिडेंट से काफी लंबी और अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

हमने रूस के हमले और यूक्रेन के हालात पर बातचीत की। हम चाहते हैं कि चीन के साथ अच्छे रिश्ते हों।जेलेंस्की ने आगे कहा- जिनपिंग से आज की बातचीत और चीन में यूक्रेन के एम्बेसेडर का अपॉइंटमेंट अहम मुद्दे हैं, जो ये बताते हैं कि हम दोनों ही देश साथ चलना चाहते हैं।

सूडान में फंसे अमेरिका के 16 हजार लोग: केवल ऐंबैसी के स्टाफ को निकाला, क्यों ऐसे हालातों में US अपने लोगों को नहीं बचाता है?

सूडान में चल रही लड़ाई के बीच भारत ने अपने 1,100 लोगों को बचा लिया है। इनमें 600 से ज्यादा को वापस भारत लाया जा चुका है। भारत की तरह ही कई दूसरे देश भी अपने लोगों को सूडान से निकाल रहे हैं। वहीं, दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका ऐसा नहीं कर रहा है।

'अलजजीरा' के मुताबिक अमेरिका ने सूडान से सिर्फ अपने ऐंबैसी के 70 लोगों को ही निकाला है। जबकि वर के 16 हजार से ज्यादा नागरिक सूडान में रहते हैं। यह पहला मौका नहीं है, इससे पहले भी कई मौके पर अमेरिका ने अपने लोगों को जंग में अकेले छोड़ दिया है।

अमेरिका सूडान में फंसे अपने लोगों की सिर्फ फोन से मदद कर रहा

25 अप्रैल को अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट ने एक बयान जारी किया। इसमें कहा कि सूडान में लगातार हालात बिगड़ रहे हैं, सिक्योरिटी सिचुएशन और एयरपोर्ट बंद होने की वजह से सरकार लोगों को निकालने के लिए कोई ऑपरेशन नहीं चला पाएगी।

अपने लोगों को सूडान से निकालने की बजाय अमेरिका उन्हें बचकर निकलने के लिए जरूरी रास्तों की जानकारी दे रहा है। जो लोग अपने-आप बचकर पोर्ट सूडान पहुंच रहे हैं, उन्हें जेद्दाह जाने के लिए केवल फेरी दी जा रही है। वो फेरी भी मिलेगी या नहीं ये वहां के सुरक्षा हालातों पर निर्भर कर रहा है। अमेरिकी सरकार वहां फंसे अपने लोगों को केवल फोन और इंटरनेट के जरिए मदद कर रही है। जंग में अपने लोगों को अकेला छोड़ना अमेरिका के लिए नया नहीं

'अलजजीरा' के मुताबिक, अफगानिस्तान को छोड़कर अमेरिका ने कभी अपने लोगों को जंग या लड़ाई के दौरान दूसरे देशों से नहीं निकाला है।

मार्ग-दर्शन

जब महावीर ने समझाई सम्राट की परिभाषा

एक ख्यात ज्योतिषी था। उसकी भविष्यवाणी कभी गलत सिद्ध नहीं होती थी। एक बार वह जंगल से गुजरते हुए किसी शहर की ओर जा रहा था। मार्ग में उसने देखा कि मिट्टी पर किसी के पदचिह्न उभर आए हैं। उसने ज्योतिष के अनुसार अनुमान लगाया तो वह दंग रह गया क्योंकि पदचिह्न किसी चक्रवर्ती सम्राट के थे। वह यह सोचकर हैरान हुआ कि यदि चक्रवर्ती सम्राट यहां से निकला होगा तो नंगे पैर क्यों जाएगा? उसे तो सवारी पर होना चाहिए और आगे-पीछे सेना भी होनी चाहिए, किंतु ये निशान तो अकेले और पैदल व्यक्ति के हैं। इसी असमंजस में उसने पदचिह्नों का अनुसरण किया। जहां पदचिह्न समाप्त हुए, वहां एक भिक्षुक बैठा था। ज्योतिषी ने उससे पूछा ये पदचिह्न तो किसी सम्राट के हैं और आप हैं एक भिक्षुक। यह क्या माजरा है? वास्तव में भिक्षुक और कोई नहीं स्वयं भगवान महावीर थे। उन्होंने प्रश्न किया कि सम्राट की क्या पहचान है? ज्योतिषी बोला सम्राट कभी अकेला नहीं होता, किंतु आप तो अकेले हैं। तब महावीर ने कहा- नहीं निर्विकल्प समाधि रूपी पिता मेरे साथ हैं। अहिंसा रूपी माता और शांति रूपी प्रिया मेरे साथ हैं। सत्य रूपी मित्र मेरे साथ हैं। फिर मैं अकेला कैसे? ज्योतिषी जान गया कि सम्राट होने के लिए राज्य और सेना की जरूरत नहीं होती बल्कि सद्गुणों को धारण कर उनका प्रकाश समाज में फैलाने वाला व्यक्ति ही सम्राट की उपाधि का सही हकदार है। वस्तुत: सामूहिक लक्षण केवल बाह्य चीजों पर ही आधारित होते हैं। मनुष्य अगर छिपी संभावनाओं का सदुपयोग करें तो सच्चा सम्राट बन जाता है।

जीने की राह

हमारे जीवन में कैसे हो क्रोध का शमन

मनुष्य के मन में क्रोध पैदा होने का एक कारण यह है कि वह दूसरों की कमजोरी या भूल को देखकर उसे बर्दाश्त नहीं करता। वास्तव में दूसरों की कमजोरियां अथवा त्रुटियों को देखकर क्रोध नहीं करना चाहिए बल्कि अपने क्रोध के संस्कार को देखकर अपनी कमजोरी और त्रुटि की ओर ध्यान देना चाहिए। यदि कोई मनुष्य भूल करता है अथवा किसी बात को नहीं समझता और उसे नहीं मानता अथवा विरोध करता है तो प्रेम से उसमें परिवर्तन लाना चाहिए अथवा सद्भावना, युक्ति और तर्क से उसे समझाने का प्रयास करना चाहिए। इससे ही व्यक्ति का आत्मिक बल बढ़ता है और शांति के खजाने में वृद्धि होती है तथा हमारे संपर्क में आने वाला दूसरा इंसान भी सुधरता है। यदि आप अपने क्रोध के संस्कार को हटाने में अयोग्य हैं तो किसी दूसरे की अयोग्यता को देखकर उसे कैसे डांट सकते हैं? ईश्वरीय ज्ञान तो यह कहता है कि भूल करने वाले पर क्रोध नहीं करना चाहिए, बल्कि उसकी सहायता करनी चाहिए। जब हमें दूसरों का क्रोध करना अच्छा नहीं लगता तो अपना क्रोध भी निकालना चाहिए, वरना हम स्वयं भी अपराधी ठहराए जाएंगे। क्रोध को मिटाने का एक तरीका यह है कि दूसरों से बातचीत करते समय 'मित्र', 'भाई', 'बहन' 'माता' जैसे स्नेही संबोधनों के इस्तेमाल की आदत डाल लें। खासकर किसी विरोधी से बात करते समय तो सद्भावना सूचक श दों का इस्तेमाल अवश्य करना चाहिए। इससे स्वयं भी क्रोध नहीं आता और सामने वाले का क्रोध भी शांत हो जाता है।

सेम सेक्स मैरिज को मान्यता से परिवार की संस्था कमजोर होगी, ज्यादातर लोग हैं इसके खिलाफ

कुछ देशों में भले ही समलैंगिकता को कानूनी मान्यता मिल गई हो, दुनियाभर की संस्कृतियां और धर्म इसे सहज भाव से स्वीकार नहीं कर पाए हैं। इसकी वजह है सदियों से चली आ रही एक सोच। स्थिति यह है कि जिन देशों में समलैंगिकता को वैधानिक दर्जा हासिल हो गया है, वहां भी इसे व्यापक सामुदायिक और सामाजिक स्वीकार्यता नहीं मिल पाई है। संस्कृति और धर्म को लेकर अपने यहां विशेष तरह का पवित्र भाव रहा है। दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में भले ही एलजीबीटीक्यू समुदाय के समर्थन में प्रदर्शन होते हों, लेकिन छोटे शहरों और गांवों तक समर्थन का यह भाव नहीं पहुंच पाया है। यही वजह है कि समलैंगिक शादी को वैधानिक दर्जा देने की मांग वाली याचिका पर दाखिल केंद्र सरकार के हलफनामे को व्यापक समर्थन मिल रहा है।

सरकार की दलील

सरकार ने दो तरह से इस मांग को खारिज करने की कोशिश की है। उसने एक तरफ इस मामले पर सुनवाई के सुप्रीम कोर्ट के अधिकार पर सवाल उठाया है तो दूसरी तरफ समलैंगिकता के विचार को शहरी संभ्रांत सोच बताया है।

भारत में शहरी संभ्रांतता को लेकर लोक और देसी बौद्धिकता में हमेशा संदेह का भाव रहा है। यही वजह है कि शहरी संभ्रांतता की स्वीकार्यता आज भी ज्यादातर लोगों में नहीं है। शायद इसीलिए सरकारी हलफनामे को न सिर्फ आम लोगों का व्यापक समर्थन मिलता दिख रहा है, बल्कि वकीलों की प्रतिनिधि सभा बार काउंसिल ऑफ इंडिया भी खुलकर सरकार के समर्थन में आ गई है।

-बार काउंसिल ने प्रस्ताव पारित करके कहा है कि देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता को देखते हुए इस मुद्दे को संसद पर छोड़ देना चाहिए।

-काउंसिल के प्रस्ताव में कहा गया है कि कोई भी ऐसा मामला, जिससे मौलिक सामाजिक संरचना से छेड़छाड़ की आशंका हो या जो देश के सामाजिक-सांस्कृतिक और धार्मिक विश्वासों पर दूरगामी प्रभाव डाल सकता हो, उस पर अनिवार्य रूप से सिर्फ विधायी प्रक्रिया द्वारा ही विचार किया जाना चाहिए।

स्थिति यह है कि जिन देशों में समलैंगिकता को वैधानिक दर्जा हासिल हो गया है, वहां भी इसे व्यापक सामुदायिक और सामाजिक स्वीकार्यता नहीं मिल पाई है। संस्कृति और धर्म को लेकर अपने यहां विशेष तरह का पवित्र भाव रहा है। दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में भले ही एलजीबीटीक्यू समुदाय के समर्थन में प्रदर्शन होते हों, लेकिन छोटे शहरों और गांवों तक समर्थन का यह भाव नहीं पहुंच पाया है।

-प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि इस तरह के संवेदनशील मामले में सुप्रीम कोर्ट का कोई भी फैसला देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

-प्रस्ताव में यह दावा भी कहा गया है कि देश के 99.9% से अधिक लोग समलैंगिकता के विचार का विरोध करते हैं।

साल 2016 में जब सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर किया था, तब धार्मिक और सांस्कृतिक संस्थाओं ने फैसले का विरोध नहीं किया। अलबत्ता, समलैंगिक संबंधों को निजी मामला मान लिया गया था। लेकिन जब शादी को मंजूरी का सवाल आया तो विरोध उभर आया है। बीजेपी के बारे में माना जाता है कि वह भारतीय परंपराओं में विश्वास करती है। लिहाजा अपने समर्थक आधार की ओर से वह इस मामले पर कथित आधुनिक नजरिया अपनाने के बजाय पारंपरिक अवधारणा के अनुरूप फैसले लेने का दबाव भी महसूस कर रही होगी। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के समक्ष पेश किया गया सरकार का हलफनामा संभवत: इसी दबाव का नतीजा है।

केंद्र सरकार के तर्क

-सरकार ने अपने हलफनामे में कहा है कि समलैंगिक विवाह को वैधता देने के पहले विधायिका को शहरी, ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण सभी क्षेत्रों की सोच और अवधारणा पर गौर करना होगा।

-केंद्र के मुताबिक, समान लिंग विवाह के अधिकार को मान्यता देने के अदालत के फैसले का मतलब कानून की एक पूरी धारा का वर्चुअल न्यायिक पुनर्लेखन जैसा होगा।

-अदालत को ऐसे मामलों में व्यापक आदेश पारित करने से बचना चाहिए क्योंकि उसके लिए उचित जगह विधायिका है।

-सरकार ने यह भी कहा है कि विधायिका पूरे देश की सोच की प्रतिनिधि है। केंद्र सरकार ने राज्यों से भी इस विषय में विचार की बात कही है, क्योंकि समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता मिलने का व्यापक असर पड़ेगा।

समलैंगिकता को वैधानिक दर्जा देने की मांग के विरोधियों का तर्क है कि जिस तरह पश्चिमी देशों में पहले समलैंगिकता को मान्यता दी गई, फिर चाइल्ड सेक्स की उम्र घटाई गई, वह भारत में भी हो सकता है।

यह भारत के सामाजिक परिवेश पर व्यापक प्रभाव डालेगा। विरोधियों का यह भी तर्क है कि भारत को सेक्स के बड़े बाजार में बदलने की कोशिश का अगला चरण है समलैंगिक शादियों को मान्यता दिलाना। उनका कहना है कि अगर ऐसा हुआ तो परिवार में विघटन बढ़ेगा। लेकिन समलैंगिकता के समर्थक और उनका साथ दे रही आधुनिक बौद्धिकता इन बातों को सिरे से खारिज कर रही है।

तकरार चलती रहेगी

बहरहाल, पहले सरकार और बाद में बार काउंसिल के कदम से समलैंगिकता को वैधानिक दर्जा देने की मुखालफत करने वाला समाज उत्साहित है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां उसकी आशंका को बढ़ा रही हैं। लेकिन फैसला चाहे जो भी आए, समलैंगिकता को लेकर जारी तकरार नहीं थमने वाली। ठीक वैसे ही, जैसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मंडल कमिशन की रिपोर्ट लागू तो हो गई, लेकिन उसे समाज का एक बड़ा हिस्सा दिल से स्वीकार नहीं कर पाया।

सही कदम

भारत सरकार ने आखिर सोमवार को सूडान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू कर दिया। हालांकि इस अफ्रीकी देश में सत्ता पर कब्जे के लिए दो परस्पर विरोधी सैन्य गुटों में हिंसा शुरू होने के बाद से ही भारत सरकार वहां भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों में लगी हुई थी। हालात इतने जटिल थे कि पर्याप्त ग्राउंड वर्क के बगैर इस तरह का अभियान शुरू नहीं किया जा सकता था। इसलिए जहां विदेश मंत्रालय सभी संबंधित पक्षों से बातचीत कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा था कि भारत सरकार के ऐसे किसी ऑपरेशन को नुकसान न पहुंचाया जाए, वहीं सूडान में फंसे भारतीयों से संपर्क कर उनके हालात की जानकारी लेते हुए उन्हें उचित सलाह भी दी जा रही थी। बहरहाल, ताजा सूचनाओं के मुताबिक करीब 500 भारतीय वहां के प्रमुख बंदरगाह पोर्ट सूडान पहुंच चुके हैं और कई अन्य पहुंचने वाले हैं। इन सबको वहां से निकालने की कवायद चल रही है। हालांकि सूडान में फंसे कुल भारतीयों की संख्या करीब 4000 बताई

जा रही है। इसे देखते हुए 500 लोगों की संख्या बहुत कम है, लेकिन यह एक अच्छी शुरुआत जरूर कही जा सकती है। एक बार लोगों के सुरक्षित ढंग से पोर्ट सूडान पहुंचने और फिर वहां से उन्हें निकाले जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाए तो फिर इसमें तेजी भी लाई जा सकती है। ध्यान रहे, संकट के ऐसे मौकों पर भारतीयों को सुरक्षित निकालने का भारत सरकार का पुराना रेकॉर्ड रहा है। पहले खाड़ी युद्ध (1990-91) के दौरान एयर इंडिया के विमानों के जरिए 1,60,000 लोग कुवैत से निकाले गए थे। हाल के वर्षों की बात करें तो यमन (2015), अफगानिस्तान (2021) और यूक्रेन (2022) के ऐसे अभियान भी खासे चर्चित रहे। बहरहाल, भारतीयों को सूडान से सुरक्षित निकालना समस्या का सिर्फ एक पहलू है। सूडान कई वजहों से हमारे लिए काफी अहमियत रखता है। वहां तेल क्षेत्र में भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक हित हैं। वह भारत के लिए कच्चे तेल का प्रमुख सप्लायर भी है। ऐसे में अगर वहां जारी सत्ता संघर्ष जल्द काबू में नहीं आया तो यह देश लंबे समय की अस्थिरता में फंस सकता है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। प्रत्यक्ष आर्थिक हितों के अलावा भी सूडान की यह हिंसा भारत के हितों को प्रभावित कर सकती है। अफ्रीका में शांति स्थापित करने के प्रयासों में भारत सक्रिय रूप से शामिल रहा है। ऐसे में यह हिंसा जारी रही तो भारत के उन प्रयासों की सार्थकता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। यही नहीं, सूडान की सीमा इजिप्ट, इथियोपिया, लीबिया आदि देशों से लगती है। ये देश पहले से ही आंतरिक संघर्षों में उलझे हैं। ऐसे में इस पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हो सकती है, जो किसी के हक में नहीं होगी। जरूरी है कि समय रहते इस संघर्ष को रोकने के प्रयास तेज किए जाएं।

अचानक आने वाले हार्ट अटैक से कैसे बचें

हर बार जब भी कोई सिक्स पैक एब्स वाला एकदम फिट युवा सिलेब्रिटी अपने सीने पर हाथ रखकर एकाएक गिर पड़ता है और 'अचानक आए कार्डियक अरेस्ट' से उसकी मौत हो जाती है, तो मीडिया में खूब चर्चा होती है। बात इस पर भी होती है कि आखिर इससे कैसे बचा जा सकता था, लेकिन दुर्भाग्य से इस पर बहुत कम बात होती है कि अचानक आए ये कार्डिक अरेस्ट इतने भी अचानक नहीं आते।

कार्डियक अरेस्ट यानी दिल की धड़कन का अप्रत्याशित रूप से रुक जाना। अचानक आए कार्डियक अरेस्ट से मारे गए इन लोगों ने अगर करीब 10 साल पहले कार्डियक स्क्रीनिंग करा ली होती, तो उनकी बीमारी पहले ही पता चल जाती। उसे बढ़ने से भी रोका जा सकता था। दरअसल पहले से मौजूद बीमारी के बिना हार्ट कभी फेल नहीं होता। इन सभी बीमारियों की कार्डियक अरेस्ट आने से बरसों पहले जांच की जा सकती थी।

असल में, कोरोनरी आर्टरीज में गंभीर रुकावट वाले अधिकतर मरीज 'साइलेंट इस्केमिया' से पीड़ित होते हैं। इसमें क्रिटिकल ब्लॉकेज वाले मरीजों को सीने में कोई दर्द नहीं होता। साइलेंट इस्केमिया के कुछ मरीजों को बाद में साइलेंट हार्ट अटैक भी आ सकता है। लेकिन, सबसे बड़ी दिक्कत तो लोगों को जांच के लिए राजी करने की है।

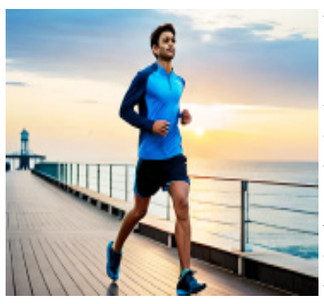

एक 40 साल का व्यक्ति जो बढ़िया तरीके से हाफ मैराथन दौड़ रहा है, भला वह साइलेंट हार्ट अटैक से बचने के लिए कोई भी चेकअप कराने को क्यों मानेगा?

समस्या यही है कि कोई कितना फिट है और कितना फिट महसूस कर रहा है, इसे लोगों ने एक मान लिया है। हालांकि अधिकतर समय आप कितना फिट महसूस करते हैं, इसका आपके फिट होने से बिल्कुल भी लेना-देना नहीं। यहां तक कि अगर आप एक महीने में दो बार माउंट एवरेस्ट चढ़े हैं, तब भी मैं बिना किसी शारीरिक जांच और ब्लड टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राम और कार्डियक सीटी स्कैन को चेक किए आपको फिट नहीं मान सकता। कॉमन स्ट्रेस टेस्ट बदकिस्मती से शुरुआती कोरोनरी धमनी बीमारियों को प्रकट नहीं करते। हार्ट का सीटी एंजियो कराने से धमनियों में आई छोटी से छोटी रुकावट का पता चल सकता है। फिर अगर इनका उपचार ना किया जाए, तो कुछ बरसों बाद हार्ट अटैक भी आ सकता है।

कुछ लोग कोरोनरी धमनी की विसंगतियों के साथ ही पैदा होते हैं। जैसे, हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी, इसमें दिल की मांसपेशी असामान्य रूप से मोटी हो जाती है। ऐसे लोग ज्यादा एक्सरसाइज करने के दौरान हार्ट अटैक का शिकार हो सकते हैं, भले ही उनकी उम्र कम क्यों ना हो। बीती आधी सदी में विज्ञान ने शानदार प्रगति की है। इसी वजह से जीवन प्रत्याशा भी 37 से सुधरकर 70 साल हो गई। आज अनेक बीमारियों का इलाज किया जा सकता है, और अगर इलाज ना किया जा सके तो उन्हें कंट्रोल किया जा सकता है ताकि जिंदगी आराम से चलती रहे। एक बुजुर्ग हैं, जिनकी करीब 20 साल पहले बाइपास सर्जरी हुई थी। एक दिन वह हांफते हुए हमारे आईसीयू में आए। उनका महाधमनी वॉल्व डैमेज था और बदला जाना था, लेकिन वह इस कार्डियक सर्जरी के लिए फिट नहीं थे। फिर कार्डियोलॉजिस्ट्स ने तावी नाम का एक प्रोसीजर किया, जिसमें उनकी डैमेज्ड महाधमनी वॉल्व को कैथेटर की मदद से बिना किसी सर्जरी के बदला गया। यह पूरी प्रक्रिया एक घंटे में ही हो गई। इसके करीब 30 दिन बाद उनके बेटे ने स्कूटर से काम पर जाते हुए उनका विडियो भी भेजा। वह एकदम ठीक महसूस कर रहे थे।

यह भी मालूम होना चाहिए कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों में हार्ट अटैक आने का खतरा दोगुना है। 45 की उम्र तक महिलाओं को उनके हार्मोन बचाकर रखते हैं। जब मैं इंग्लैंड में काम कर रहा था, तब वहां अधिकतर मरीज बूढ़े और रिटायर्ड लोग ही थे। लेकिन, दुर्भाग्य से भारत में कामकाजी युवाओं को ही ज्यादातर दिल की बीमारियां हो रही हैं। भारत के हेल्थकेयर सिस्टम की नींव जान बचाने वाले हेल्थ चेकअप पर आधारित होनी चाहिए। आज मेडिकल तकनीक ने इतनी उन्नति कर ली है कि किसी की भी मौत 'सडेन कार्डियक अरेस्ट' से नहीं होनी चाहिए।

दैनिक पंचांग

29 अप्रैल 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.27 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	08.25 बजे से
मंगल	मिथुन में	कर्क	10.38 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.54 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	15.06 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.17 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.32 ब.से
राहु	मेष में	धनु	21.48 बजे से
केतु	तुला में	मकर	23.53 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कुंभ	01.39 बजे से
		मीन	03.12 बजे से
		मेष	04.43 बजे से

शनिवार 2023 वर्ष का 119 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
वक्रम संवत् 2080
शक संवत् 1945
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 18.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 12.47 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 10.31 बजे को समाप्त।
करण कौलव 18.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871598
जूलियन दिन 2460063.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना सव्वाल
तारीख 08
विशेष सीता नवमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 29 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

प्रसंगत: भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, 'महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफसे उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?' राजा ने कहा, 'मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए।' हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, 'क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं ?' राज ज्योतिषी ने कहा, 'राजन, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीन हीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इस

सिंगल हिरोइन की मूवी में हीरो सारा क्रेडिट ले जाते हैं, मुझे चाहिए राधिका आप्टे जैसे रोल

शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड डेब्यू किया है। शहनाज ने बातचीत में कहा है कि उन्हें राधिका आप्टे जैसी फिल्में और रोल करने हैं। उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि सिंगल हिरोइन के रोल मिले लेकिन ऐसे में हीरो सारा क्रेडिट ले जाते हैं। सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में कई कलाकार नजर आए। इन सितारों की लिस्ट में जहां साउथ सिनेमा के जगपति बाबू और वेंकटेश जैसे कलाकार नजर आए वहीं सलमान खान से क्लोज बॉन्ड शेयर करने वाले कई और एक्टर्स दिखे। इन सितारों की भीड़ में से एक शहनाज गिल भी थीं, जो बिग बॉस 13 के दौरान से ही सलमान खान की चहेती बन चुकी हैं। शहनाज गिल ने सलमान खान की इस फिल्म के ऑफर को लेकर बातचीत की और इसके अलावा उन्होंने ये भी बताया कि वो फ्यूचर में किस तरह के रोल करना चाहेंगी। शहनाज ने बतौर पंजाबी एक्ट्रेस से लेकर घर-घर तक अपनी पहचान बनाने वाली अपनी इस खास जर्नी को लेकर भी बातें कीं।

आप अपनी जर्नी को कैसे देखती हैं? पंजाब की कटरीना कैफ से लेकर शहनाज गिल बनने तक का ये सफर कैसा रहा?

मुझे लगता है कि अपनी कड़ी मेहनत का फल मुझे मिल रहा है और ये मैं आगे भी जारी रखूंगी। मैं खुद पर बहुत मेहनत कर रही हूं और मैं चाहती हूं कि अपनी अलग आइडेंटिटी से पहचानी जाऊं।

ये आपमें जो एक सहज सा कॉन्फिडेंस है उसका सोर्स क्या है?

मुझे लगता है कि ईश्वर ने हर किसी को एक न एक टैलेंट दिया है और मुझे लगता है यही कॉन्फिडेंस ही मेरा टैलेंट है।

आपके हिसाब से सलमान खान और आपमें किस तरह की समानता है?

हम दोनों भी मल्टी टैलेंटेड हैं। हम गा भी सकते हैं और एक्टिंग भी कर सकते हैं। मैं जल्द ही प्रड्यूसर भी बन जाऊंगी। वह खूब सारी मस्ती करते हैं और उनके साथ काम करना काफी फ़न भरा होता है।

क्या रिएक्शन था जब सलमान खान ने आपको किसी का भाई किसी की जान ऑफर किया?

सलमान खान आपको कॉल करें ये बड़ी बात है। और उन्होंने इतनी सारी लड़कियों के बीच मेरे बारे में सोचा ये भी काफी स्पेशल था। उन्होंने हमेशा मुझे सपोर्ट किया है और मेरी केयर की है। फिल्म में भी मैं वैसी ही हूं जैसी रियल लाइफ में रहती हूं।

आप किस तरह की फिल्मों में काम करना चाहती हैं आगे?

मैं वैसी फिल्में करना चाहती हूं जिससे लोग जुड़ाव महसूस कर सकें। मैं हर तरह के कैरेक्टर करना चाहती हूं। मैं उस तरह के कैरक्टर्स और फिल्में करना चाहती हूं जैसी राधिका आप्टे किया करती हैं। ये चैलेंजिंग होते हैं लेकिन आपके लिए अच्छी इमेज भी क्रिएट करते हैं।

क्या आपको ऑर फिल्मों के ऑफर्स मिल रहे हैं? क्या आप फिल्मों में लीड रोल और सोलो हिरोइन के तौर पर खुद को देखना चाहती हैं?

मुझे ऑफर मिल रहे हैं, लेकिन ये ऑफर अच्छे होने चाहिए न? भगवान करे मुझे सिर्फ सोलो हिरोइन्स के ही रोल मिले, लेकिन मैं कैरक्टर्स रोल भी करना पसंद करूंगी। सिंगल हिरोइन की फिल्मों में हीरो सारा क्रेडिट उड़ा ले जाते हैं।

आपको सलमान को एक एक्टर, सिंगर या प्रड्यूसर के तौर पर कोई एक चुनना हो तो क्या चुनेंगी?

मैं एक्टर को रूप में उन्हें चुनूंगी। सारी दुनिया उनकी स्टाइल पर मरती है। वह अगर चलते भी हैं तो लोगों की गर्दन उनकी तरफ ही मुड़ जाती हैं। स्वैग से करेंगे सबका स्वागत।

वेब सीरीज दहाड़ का टीजर जारी, तेजतर्रार पुलिस वाले की भूमिका में नजर आईं सोनाक्षी

अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज दहाड़ का टीजर बुधवार को जारी किया गया, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा तेजतर्रार पुलिस वाले की भूमिका में नजर आ रही हैं। इस सीरीज में गली बॉय के एक्टर विजय वर्मा भी हैं। इस सीरीज के जरिए सोनाक्षी डिजिटल डेब्यू करने जा रही है। वह 27 लड़कियों की दर्दनाक हत्या के मामले को सुलझाने का प्रयास करेंगी। शो के बारे में बात करते हुए निर्देशक और सह-निर्माता रीमा कागती ने एक बयान में कहा, दहाड़ का वास्तव में शानदार अनुभव रहा है। यह सीरीज हम सभी के लिए बेहद खास है। इसमें सोनाक्षी, विजय, गुलशन और सोहम ने कड़ी मेहनत की है। बर्लिनले 2023 में सीरीज के लिए हमें जो प्रतिक्रिया मिली, वह उम्मीदों से भरी थी और हम इस सीरीज को दुनिया भर में अपने दर्शकों के लिए ला रहे हैं। सीरीज के 8 एपिसोड है। सीरीज की कहानी सार्वजनिक बाथरूम में एक के बाद एक, कई महिलाओं की रहस्यमय तरीके से मौत के मामले सामने आने के बाद घटनाक्रम की शुरू होती है। शुरूआत में इसे आत्हत्या का मामला माना जाता है, लेकिन जैसे-जैसे मामले बढ़ते जाते है, उससे अंजलि को शक होने लगता है कि एक सीरियल किलर खुलेआम घूम रहा है। इसके बाद मुजरिम और पुलिस के बीच बिल्ली और चूहे का खेल शुरू हो जाता है। सोनाक्षी एक मासूम महिला की जान जाने से पहले सबूतों की कड़ियों को एक साथ जोड़ने की कोशिश करती है। रीमा कागती और जोया अख्तर द्वारा निर्मित, सीरीज कागती द्वारा रुचिका ओबेरॉय के साथ निर्देशित है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी द्वारा निर्मित दहाड़ में सोनाक्षी सिन्हा, विजय वर्मा, गुलशन देवैया और सोहम शाह मुख्य भूमिका में हैं। सीरीज जल्द ही प्राइम वीडियो पर आएगी।

आवारा पगला दीवाना -2 में संजय दत्त और अरशद वारसी फिर नजर आएंगे एक साथ

फिरोज नाडियाडवाला इन दिनों अपने बैनर को पुन-स्थापित करने के लिए प्रयासरत हैं। वे अपने प्रोडक्शन की फिल्मों आवारा पगला दीवाना, हेरा फेरी और वेलकम के अगले भागों को बोर्ड पर लाने के प्रयासरत हैं। पूर्व में बनी इन फिल्मों के अधिकारों को लेकर कुछ विवाद हैं, जिसके चलते फिरोज अभी तक इनको शुरू नहीं कर पाए हैं। प्राप्त समाचारों के अनुसार आने वाले कुछ दिनों में ही फिरोज इन सभी फिल्मों के विवादों को सुलझाने में सफल हो जाएंगे। इन तीनों फिल्मों को लेकर कुछ न कुछ नया सामने आता रहता है। हाल ही में समाचार प्राप्त हुए कि आवारा पागल दीवाना-2 से जॉन अब्राहम ने स्वयं को पूरी तरह से हटा लिया है। अब जो समाचार सामने आ रहे हैं उनके अनुसार इस फिल्म में संजय दत्त और अरशद वारसी की एंट्री हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, संजय दत्त और अरशद वारसी आवारा पागल दीवाना 2 में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। आवारा पागल दीवाना 2 बड़े स्टार-कास्ट के साथ पैमाने और बजट के मामले में सबसे बड़ी फिल्म होगी। आवारा पागल दीवाना 2 के अभिनेताओं में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, परेश रावल, जॉनी लीवर, संजय दत्त और अरशद वारसी शामिल हैं। अगले 2 महीनों में कुछ और नाम सामने आएंगे। आवारा पागल दीवाना वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन चरण में है, निर्देशक अहमद खान और निर्माता फिरोज नाडियाडवाला स्क्रिप्ट पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं और अन्य तकनीकी दल को भी ठीक कर रहे हैं। एक्शन डायरेक्टर्स को बोर्ड पर लाने के लिए काम चल रहा है। दोनों शूट लोकेशंस को भी लॉक करने की प्रक्रिया में हैं। एक बार जब फिल्म बनाने के सभी पहलू कागज पर आ जाएंगे, तो फिरोज अपने अभिनेताओं के साथ उनकी तिथियाँ प्राप्त करने के लिए बात करेंगे। सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि यह फिल्म आगामी वर्ष की शुरूआत में फ्लोर पर जाएगी।

जोगीरा सारा रा रा में नवाजुद्दीन के साथ ठुमके लगाएंगी निक्की तंबोली

अपने बेहतरीन लुक्स और खूबसूरती के लिए जानी जाने वाली निक्की तंबोली एक असाधारण अभिनेत्री भी साबित हो रही हैं। वह एक बेहतरीन डांसर भी हैं। अब निक्की जल्द ही नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म जोगीरा सारा रा रा में एक आइटम नंबर करते नजर आने वाली हैं। फिल्म जोगीरा सारा रा में अपने फीचर के बारे में बात करते हुए निक्की कहती हैं, मैं बेहद अभिभूत और रोमांचित हूं। अनुभवी अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करना एक अद्भुत अनुभव था। नवाज सर के साथ ऑनस्क्रीन बॉलीवुड में मेरी यात्रा के लिए एक शानदार शुरुआत होगी। निक्की ने कहा, वास्तव में यह एक आकर्षक गाना है जो काफी तेजी से आगे बढ़ेगा। फिर भी मुझे उम्मीद है कि मेरे प्रशंसक इसे पसंद करेंगे। कॉमेडी थ्रिलर में निक्की तंबोली का नवाजुद्दीन के साथ एक सिजलिंग आइटम सॉन्ग दिखाया जाएगा। निक्की फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ एक रोमांचक गीत पर थिरकेंगी और उनकी जोड़ी स्क्रीन पर भी अच्छी लगेगी। हिंदी फिल्म में निक्की का यह पहला आइटम नंबर है। निक्की के पास इस समय कई विज्ञापनों है और वह तेजी से ब्रांड पसंदीदा बन रही हैं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री ने बिग बॉस, खतरों के खिलाड़ी और खतरा खतरा जैसे सबसे लोकप्रिय रियलिटी टीवी शो में अपने सच्चे व्यक्तित्व और अपने सच्चे मूल्यों के साथ खड़े होने के साथ हमेशा हमें चकित किया है। निक्की तंबोली खतरा दिल किसी से, शांति, बाहरी दुनिया, नंबर लिख जैसे कई म्यूजिक वीडियो में अपना बेहतरीन काम दिखाते हुए इंडस्ट्री की एक हिट गर्ल रही हैं।

एंग्जाइटी से जूझ रही हैं आलिया हर हफ्ते ले रही हैं थैरेपी सेशन

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों ही जिंदगियों में बेहद बिजी चल रही हैं। ऐसे में वो काम के साथ-साथ अपनी बेटी राहा कपूर का ख्याल भी रख रही हैं। इस बीच आलिया ने हाल ही में बताया कि उन्हें इस बात की काफी चिंता होती है कि वो अच्छी तरह से राहा का ध्यान रख पा रही हैं या नहीं। इतना ही नहीं आलिया ने बताया रणबीर भी अपनी नन्हीं बच्ची को लेकर काफी प्रोटेक्टिव रहते हैं।

आलिया ने मां बनने के बाद के चैलेंज पर बात की

वोग मैगजीन को दिए इंटरव्यू में आलिया ने कहा- 'यह सोचकर मुझे चिंता होती है कि क्या मैं अपने बच्चे और काम के साथ सही कर रही हूं। क्योंकि महिलाओं पर दोनों चीजों को अच्छे तरीके से करते का दबाव होता है। यह पुराने समय से चलता आ रहा है कि एक बार जब महिलाओं को बच्चा हो जाता है, तो उन्हें अपने करियर को शहीद करना पड़ता है या उन्हें एक आदर्श मां नहीं माना जाता है।' आलिया ने आगे कहा- 'नई माओं के लिए यह बहुत जरूरी है कि वो अपनी सोच को समझने के लिए समय निकालें। उन्हें क्या करना है, इसका फैसला वो खुद लें। इसके अलावा इंडस्ट्री और लोगों को भी यह समझना जरूरी है कि वो नई माओं को समय दें।' आलिया ने यह भी माना कि वो सोचती हैं कि क्या लोग वाकई सोचते हैं कि वह अच्छी तरह से काम कर रही हैं या वो उन्हें केवल खुश करने के लिए यह कर रहे हैं? भले ही उन्हें को क्रिटिसाइज न करें, लेकिन वो जरूर इसके बारे में सोचती हैं। इसलिए आलिया अपनी मेंटल हेल्थ के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वो हर हफ्ते थेरेपी के लिए जाती हैं, ताकि वो मन में पल रहे इस वहम को दूर कर सकें। आलिया ने कहा कि इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलती है कि कुछ ऐसा तो नहीं है जिसे वो एक या दो या पांच या दस दिन में नहीं समझ पाएंगी। आलिया ने कहा- यह एक प्रोसेस है और हर दिन कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है। राहा की प्राइवेसी के बारे में बात करते हुए आलिया ने कहा कि उन्हें और रणबीर कपूर को अभी यही लगता है कि राहा को अभी मीडिया और लोगों की नजरों से दूर रखना चाहिए। यहां तक कि वो राहा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करना चाहते हैं।

पिता मिथुन चक्रवर्ती का स्ट्रगल यादकर इमोशनल हुए नमाशी

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमाशी चक्रवर्ती जल्द ही फिल्म बैड बॉय से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। इस बीच मीडिया को दिए इंटरव्यू में नमाशी ने अपने पिता के स्ट्रगल के दिनों को याद किया। नमाशी ने बताया कि उनके पिता ने जिस तरह की जिंदगी जी, वो वैसी जिंदगी कभी नहीं जी सकते। नमाशी ने बताया कि उन्हें महसूस होता है कि उनके पिता मिथुन 'जीरो से हीरो' बनने का परफेक्ट उदाहरण हैं।

फिल्मी बीट को दिए इंटरव्यू में नामाशी ने बताया कि वो हाल ही में कोलकाता गए थे। तब उन्होंने वहां अपने पिता का पुराना घर देखा, जहां मिथुन बचपन बीता था। वहां जाकर नमाशी को महसूस हुआ कि वो ऐसी जगह कभी नहीं रह सकते हैं, क्योंकि उन्होंने हमेशा से एक बेहतरीन और लग्जरी से भरपूर जिंदगी जी है। बातचीत के दौरान नमाशी ने कहा- जब मैं अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए कोलकाता गया था, तब मैं उस घर में गया था, जहां मेरे पिता और दादा-दादी रहा करते थे। मैं यह कैमरे पर यह कह सकता हूं, कि नमाशी चक्रवर्ती उन गलियों में कभी नहीं रह सकता है। क्योंकि मैंने हमेशा एक अच्छी जिंदगी जी है। बंगले देखे हैं, कार, होटल और सभी तरह की लग्जरी चीजें। लेकिन मेरे पिता ने उन गलियों से, उस घर से भी बड़ा बनने का सपना देखा।

जब उनके जैसी प्रेरणा घर पर है, तो डर कम लगता है

नमाशी ने आगे कहा- मेरे आस पास मेरे पिता और उनका करियर एक उदाहरण की तरह है। उनसे मुझे बड़े सपने देखने का साहस मिलता है। ठीक उसी तरह जैसे हर नया एक्टर खुद को इंडस्ट्री में स्टेबल करना है। नमाशी बोले- अगर आप में इच्छा है, तो आपको डरना नहीं चाहिए। आपको लड़ना चाहिए। उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख यही है कि वो जीरो से हीरो बने। जब उनके जैसी प्रेरणा घर पर होती है, तो आपको डर कम लगता है। मेरे पिता न केवल मेरे लिए बल्कि हर एक एक्टर के लिए उदाहरण हैं, जो अपना नाम बनाने की कोशिश कर रहा है।

28 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि बैड बॉय को अंजुम कुरैशी और साजिद कुरैशी ने इनबॉक्स पिक्चर्स के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म का डायरेक्शन राजकुमार संतोषी ने किया है। इसमें अमरीन कुरैशी, जॉनी लीवर राजपाल यादव, शाश्वत चटर्जी और दर्शन जरीवाला जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 28 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।